cmyk

शुक्रवार 09 मई 2025

पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, छत्तीसएढ़ से प्रकाशित

चम्बल सुरभी

आज का तापमान

अधिकतम 34 डिग्री

न्यूनतम 25 डिग्री

उत्कृष्ट एवं सफल प्रकाशन के 37 वर्ष

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का प्रवक्ता

एक नजर

जवान रवितोष कुमार का शव पहुंचा गांव

छपरा (ए)। पंजाब के पठानकोट में ड्यूटी के दौरान जवान रवितोष कुमार का निधन हो गया था। उनका पार्थिव शरीर गुरुवार को पैतृक गांव सारण जिले स्थित बनवारीपुर पहुंचा। 35 वर्षीय जवान रवितोष राजपूत राइफल के सैनिक थे। तिरंगे में लिपटे शहीद को देखकर पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम दर्शन के लिए सैकड़ों ग्रामीण उमड़ पड़े। भारत माता की जय और रवितोष अमर रहें के नारों से माहौल गूंज उठा।सेना के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद शव को मुक्तिधाम ले जाया गया, जहां पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

मप्र में माओवादी संगठन पर जारी रहेगा बैन

भोपाल। मध्य प्रदेश में माओवादी संगठन पर बैन जारी रहेगा। गृह विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के दो संगठन पर बैन को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। बता दें कि गृह विभाग ने क्रांतिकारी जन कमेटी और क्रांतिकारी किसान कमेटी पर बैन को एक साल के एक्सटेंशन कर दिया है। यह बैन पिछले साल इन संगठनों के खिलाफ जारी किया गया था। यह फैसला राज्य में माओवादी गतिविधियों पर नियंत्रण रखने के उद्देश्य से लिया गया है।गौरतलब है कि बालाघाट समेत आसपास के जिलों में माओवादी सक्रिय हैं। इन संगठनों पर बैन का मतलब है कि उनकी सभी गतिविधियां गैरकानूनी होंगी। जैसे की इन संगठनों से जुड़े लोग सार्वजनिक रूप से इकट्ठा नहीं हो पाएंगे। ये संगठन किसी भी तरह से धन नहीं जुटा पाएंगे। इसके अलावा पुलिस और सुरक्षा बल संगठनों से जुड़े लोगों और उनकी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखेगी।

इजराइल ने अपने नागिरकों को दिया आदेश, कश्मीर का इलाका तुरंत छोड़ें

तेलअवीव (ए)। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखकर इजराइल ने अपने नागरिकों के लिए मौजूदा यात्रा परामर्श को अद्यतन किया है, जिसमें कश्मीर क्षेत्र में रह रहे लोगों से 'तुरंत इलाका छोड़ने' का आग्रह किया है।संशोधित परामर्श भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आतंकी ठिकानों पर हमले के बाद आया है। इजराइली विदेश मंत्रालय ने इजराइल के नागरिकों से लद्दाख के अतिरिक्त जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में जाने से बचने का आह्वान किया। इजराइली मंत्रालय ने कहा कि कश्मीर में मौजूद इजराइलियों को 'तुरंत इलाका छोड़ देना चाहिए' और स्थानीय सुरक्षा बलों के निर्देशों का पालन करना चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि यह परामर्श संयुक्त राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा जारी मौजूदा यात्रा परामर्श के अनुरूप है।

अमेरिका ने अपने नागरिकों से कहा- लाहौर को तत्काल छोड़ें.....

इस्लामाबाद,(ए)। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच अमेरिका ने पाकिस्तान के लाहौर में रह रहे अमेरिकी नागरिकों को तत्काल शहर से निकलने की सलाह दी है। अमेरिकी दूतावास और लाहौर स्थित वाणिज्य दूतावास की ओर से 8 मई को जारी सुरक्षा अलर्ट में कहा गया है कि लाहौर और उसके आस-पास ड्रोन हमलों, ड्रोन गिराए जाने और हवाई क्षेत्र उल्लंघन की रिपोर्टों के बाद यह फैसला लिया गया है।अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास ने अपने कर्मचारियों को भी सुरक्षित स्थानों पर रहने का निर्देश दिया है। अ

अमृतसर से जम्मू, पठानकोट से भुज... 15 शहरों पर पाक के हमले नाकाम

पाकिस्तान की नापाक कोशिश का भारत ने दिया तगड़ा जवाब

कराची से लाहौर तक सब धुआं-धुआं...-भारत ने तबाह किया पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम,

सेना के ड्रोन हमले ने बरपाया कहर,-लाहौर, कराची, रावलपिंडी समेत 9 शहरों पर ड्रोन अटैक

नई दिल्ली/इस्लामाबाद (ए)। पाकिस्तान द्वारा भारत के 15 शहरों पर किए गए हवाई हमलों की कोशिश को भारतीय वायुसेना और एस-400 वायु रक्षा प्रणाली ने पूरी तरह नाकाम कर दिया। ऑपरेशन सिंदूर के दूसरे दिन भारत ने पाकिस्तान पर बड़ा एक्शन लिया है। गुरुवार सुबह भारत की स्ट्राइक में पाकिस्तान के तीन बड़े शहरों लाहौर, कराची और रावलपिंडी में लगे एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम तबाह हो गए। हमले के लिए भारत ने इजराइली हार्पी ड्रोन का इस्तेमाल किया। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने गुरुवार दोपहर को कहा कि पाकिस्तान के 9 शहरों में भारत ने ड्रोन हमले किए। पाकिस्तानी सेना कम से कम 50 ड्रोन गिराने में कामयाब रही। शरीफ ने माना कि एक ड्रोन नुकसान पहुंचाने में कामयाब रहा। लाहौर में पाकिस्तानी सेना के 4 जवान घायल हुए और मियानों में 2 लोगों की मौत हो गई। इस बीच अमेरिका ने लाहौर में रह रहे अपने नागरिकों और वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों को सुरक्षित जगहों पर चले जाने को कहा है।

भारत सरकार ने ऑफिशियल बयान जारी करके बताया, 7 और 8 मई की दरमियानी रात को पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करके अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना सहित कुल 15 शहरों में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की। भारत ने पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई करते हुए एयर डिफेंस सिस्टम तबाह कर दिया। भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया था। इसके बाद से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। पाकिस्तान ने भारत के 15 शहरों को निशान बनाकर हमले करने की कोशिश की, जिसके जवाब में भारतीय वायुसेना के स-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने हर हमले को नाकाम कर दिया है। भारत की जवाबी कार्रवाई में रावलपिंडी, लाहौर और कराची जैसे प्रमुख शहरों को भारी नुकसान हुआ है।कराची में रहने वाले एक शख्स ने बताया कि सुबह 10 बजे के करीब कोई ड्रोन आया और सीधे छत से टकराया। इसके बाद पूरी छत टूट गई और गड्ढा हो गया। स्थानीय के मुताबिक इसके बाद कराची में ब्लैकआउट कर दिया गया क्योंकि बिजली के तारों को भी भारी नुकसान हुआ है। इसके बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरा मच गई। कराची से जो तस्वीरें सामने आईं हैं उनमें देखा जा सकता है कि एक घर की छत पूरी तरह से बर्बाद हो गई और घर के अंदर रखे सामान को भी नुकसान पहुंचा है। इसी तरह की तस्वीरें लाहौर से भी आई हैं जहां एक के बाद एक कई एंबुलेंस सड़क पर जाती दिख

सवाई मान सिंह स्टेडियम में बम धमकी के बाद एजेंसियां अलर्ट, राज्यवर्धन बोले नियंत्रण में है स्थिति

जयपुर (ए)। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सवाई मान सिंह स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी के बाद उत्पन्न हालात को लेकर बयान जारी किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच ङ्क पर जानकारी दी कि इस मामले में प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की गई है।

जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी के मामले में प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। स्थिति पूरी तरह से

नियंत्रण में है और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं।

राठौड़ ने कहा कि स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि देश और प्रदेश की सुरक्षा ही सर्वोच्च प्राथमिकता है और हर स्तर पर सतर्कता बरती जा रही है। सवाई मान सिंह स्टेडियम में संभावित खतरे को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। फिलहाल स्टेडियम और उसके आसपास का इलाका पूरी तरह सुरक्षित है। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता के चलते किसी भी अप्रिय घटना की आशंका नहीं है। अधिकारी लगातार निगरानी बनाए हुए हैं और आम जनता से भी सतर्क रहने की अपील की गई है।

हेलिकॉप्टर क्रैश, 6 की मौत

उत्तरकाशी (ए)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में गुरुवार को हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में पायलट समेत 6 लोगों की मौत हो गई। एक की हालत गंभीर है। मृतकों में मुंबई की 3 महिलाएं, आंध्र प्रदेश और यूपी के बरेली की 1-1 महिला शामिल हैं। पायलट गुजरात का रहने वाला था। हादसा उत्तरकाशी के गंगनानी में भागीरथी नदी के पास हुआ। हेलिकॉप्टर गंगोत्री धाम जा रहा था। उत्तरकाशी प्रशासन के मुताबिक, हेलिकॉप्टर 7 सीटर था। इसमें 5 महिलाएं और पायलट रॉबिन समेत 2 पुरुष सवार थे। हेलिकॉप्टर गुजरात के अहमदाबाद बेस्ड एरोटांस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का था।

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश

नई दिल्ली (ए)। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के चलते गुरुवार को कई जगह लैंडस्लाइड और मडस्लाइड हुई है। रामबन में जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे (एनएच-44) पर कीचड़ जमा होने से ट्रैफिक बंद कर दिया गया है। ट्रैफिक डिपार्टमेंट के मुताबिक सड़क सुबह 7.30 बजे से बंद है। कई वाहन कीचड़ में फंसे हुए हैं, उन्हें निकाला जा रहा है। भारी बारिश के चलते चिनाब नदी पर रामबन में बने बगलिहार डैम के दो और रियासी में सलाल डैम का एक गेट खोल दिया गया है। दोनों डैम पहलगाम हमले के बाद बंद कर दिए गए थे।

मौसम विभाग ने 11 मई तक केंद्र शासित प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवाएं चलने का अनुमान लगाया है। कुछ इलाकों में भारी बारिश से भूस्खलन और मडस्लाइड की आशंका है। इसके अलावा विभाग ने उप्र-छत्तीसगढ़ समेत 19 राज्यों में आंधी और बारिश की चेतावनी जारी की है। मध्यप्रदेश और राजस्थान के 22-22 जिलों में बारिश का अनुमान है। मप्र के छह जिलों में ओले गिरने का अनुमान है।

10वीं-12वीं की दोबारा परीक्षा 17 जून से

भोपाल(ए)। माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से बोर्ड की 10वीं-12वीं कक्षा का परिणाम तो समय पर जारी हो गया। अब असफल विद्यार्थियों के लिए सवा महीने बाद दोबारा परीक्षा आयोजित की जाएगी। स्कूल स्तर पर परीक्षा की तैयारी में विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी अनिवार्य किया गया है, ताकि विद्यार्थी को असमंजस नहीं रहे और परीक्षा में सफल हो पाए।बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम जारी हो चुका है। विद्यार्थियों को मुख्य अंकसूची का इंतजार अभी बना हुआ है। फिलहाल उन्हें ऑनलाइन अंक सूचित मिली है, लेकिन विद्यार्थियों को मुख्य अंकसूची के लिए अभी तीन से चार सप्ताह का इंतजार करना होगा। ऐसे विद्यार्थी जो परिणाम से असंतुष्ट हैं और अपनी उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन या रिपोर्टिंग करना चाहते हैं।

ईडी ने झारखंड और बंगाल में नौ ठिकानों पर मारे छापे

रांची,(ए)। करीब 800 करोड़ के जीएसटी घोटाले में ईडी ने गुरुवार सुबह झारखंड और बंगाल में नौ ठिकानों पर छापे मारे। झारखंड में रांची के तीन और जमशेदपुर में एक स्थान पर दबिश दी जिन ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की है, वहां सुरक्षा के मद्देनजर सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि दोनों राज्यों के कारोबारियों ने कुल 14,325 करोड़ रुपए के फर्जी जीएसटी इनवॉइस बनाकर 800 करोड़ रुपए से ज्यादा के इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ लिया था, जिन कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है, उनमें शिवकुमार देवरा, सुमित गुप्ता, अमित गुप्ता अन्य भी शामिल हैं। ईडी ने बंगाल में इस घोटाले में पहले भी छापेमारी की थी, जबकि झारखंड में इसे लेकर पहली बार कार्रवाई की जा रही है।

आरोप है कि कारोबारियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर व्यापारिक प्रतिष्ठान बनाए और इनपुट टैक्स क्रेडिट का अनुचित लाभ लिया। बाद में इन फर्जी प्रतिष्ठानों को बंद कर दिया। बता दें इस साल जनवरी में जीएसटी निदेशालय की अन्वेषण टीम ने 100 करोड़ से ज्यादा के जीएसटी घोटाले में रामगढ़ के सारूबडेड़ा और धनबाद के झरिया में छापेमारी की थी। इसी तरह जमशेदपुर और आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में भी आठ ठिकानों पर जीएसटी की टीम ने छापेमारी कर 150 करोड़ रुपए के फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया था। फर्जी जीएसटी इनवॉइस जारी कर घोटाले के इस मामले में जमशेदपुर के जुगसलाई स्थित खाटू श्याम स्टील, जैसुका आयरन एंड पावर, बाबा श्याम स्टील, श्री स्टील।

सर्वदलीय बैठक में सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन की दी जानकारी

नई दिल्ली (ए)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बने हालात को लेकर गुरुवार को सर्वदलीय बैठक हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। यानी 7 मई को पाकिस्तान के 9 ठिकानों पर हुए एयर स्ट्राइक के बाद भी ऑपरेशन रोका नहीं गया है। करीब डेढ़ घंटे चली बैठक से बाहर आने के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी रक्षा मंत्री के बयान को दोहराया। ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हुए।सूत्रों के मुताबिक बैठक में बताया गया कि ऑपरेशन सिंदूर में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। ऑपरेशन जारी है, इसलिए सटीक संख्या बताना मुश्किल है। पाकिस्तान ने उकसाया तो कार्रवाई करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन

खड़गे और राहुल गांधी ने कहा कि संकट में हम देश और सरकार के साथ हैं। सरकार की कोई आलोचना नहीं करनी है। हमने सरकार को अपना पूरा समर्थन दिया है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मैंने ऑपरेशन सिंदूर के लिए हमारे सशस्त्र बलों और सरकार की सराहना की है। हमें आतंकवादी संगठन रेजिस्टेंस फ्रंट के खिलाफ एक वैश्विक अभियान चलाना चाहिए।ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों को लेकर स्थानीय बलों के साथ लगातार संपर्क में हैं। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमलों के बाद पाकिस्तान की ओर से युद्धविराम उल्लंघन पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

रक्षामंत्री 11 को करेंगे सुपरसोनिक मिसाइल 'ब्रह्मोस' की फैक्ट्री का उद्घाटन

लखनऊ (ए)। पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच भारत अपनी सामरिक क्षमता को और धार देने जा रहा है। दुनिया की सबसे विध्वंसक मानी जाने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल 'ब्रह्मोस' का निर्माण अब उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी परियोजना डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर 11 मई को ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण यूनिट का उद्घाटन किया जायेगा। ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा स्थापित की जा रही यह यूनिट 300 करोड़ रुपए के निवेश से तैयार हुई है और भारत को आत्मनिर्भर रक्षा प्रणाली की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि दिलाने वाली है।

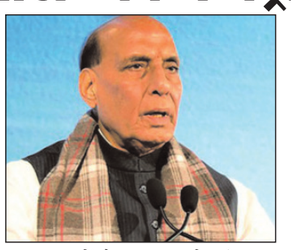

8 राज्यों के 28 एयरपोर्टस बंद

हरियाणा-पंजाब-राजस्थान में अलर्ट, स्कूल बंद, सरकारी विभागों की छुट्टियां रद्द पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक के बाद बने तनाव के बीच केंद्र ने 8 राज्यों के 28 एयरपोर्ट्स 9 मई तक बंद कर दिए हैं। ये राज्य- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश हैं। बड़े एयरपोर्ट्स में श्रीनगर, जम्मू, लेह, चंडीगढ़, जोधपुर, राजकोट, धर्मशाला, अमृतसर, भुज और जामनगर शामिल हैं। ये पाकिस्तान बॉर्डर से लगे हुए हैं। मप्र के ग्वालियर और उत्तर प्रदेश के हिंडन एयरपोर्ट के ऑपरेशन भी बंद हैं। जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में हाई अलर्ट है। दोनों राज्यों के बॉर्डर इलाकों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। पुलिस, प्रशासनिक और हेल्थ विभाग के अधिकारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई है। भारत के पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर एयर स्ट्राइक के बाद पंजाब के अमृतसर में रॉकेट गिरे मिले हैं। यह रॉकेट अमृतसर के 3 गांवों में गिरे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 20.22 करोड़ रुपये के कार्यों का किया लोकार्पण और शिलान्यास

रायपुर(ए)। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मुंगेली जिले के विकासखण्ड लोरमी के राम्हेपुर (एन) में आयोजित समाधान शिविर में 20 करोड़ 22 लाख रुपए के कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न गांवों में नौ करोड़ 84 लाख रुपए से अधिक के निर्माण कार्यों का शिलान्यास और दस करोड़ 38 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

डिप्टी सीएम साव ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत 164.37 लाख रुपए की लागत से राम्हेपुर (एन.), तेलीखम्ही, मनोहरपुर, चेचानडीह और

खैरवारखुर्द में 2.40 किलोमीटर लम्बे मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ निर्माण कार्य, जल संसाधन विभाग अंतर्गत 298.27 लाख रुपए की लागत से मनियारी जलाशय अंतर्गत डी-3 शाखा नहर की सूरजपुरा माइनर नहर में पुराने पक्के कार्यों का नवीनीकरण व नए पक्के कार्य तथा नहर में सी.सी. लाइनिंग कार्य, 294.83 लाख रुपए की लागत से डी-2 शाखा नहर की बघमार माइनर नहर में पुराने पक्के कार्यों का नवीनीकरण व नए पक्के कार्य एवं नहर में सी.सी. लाइनिंग कार्य और 227.12 लाख रूपए की लागत से मनकी माइनर नहर में पुराने पक्के कार्यों का जीर्णाद्धार, नए पक्के कार्यों एवं नहर में सी.सी. लाइनिंग कार्य का शिलान्यास किया। डिप्टी सीएम साव ने 232.78 लाख रुपए की लागत से गबदा जलाशय योजना के शीर्ष कार्य का जीर्णोद्धार, मुख्य नहर एवं शाखा नहर में सी.सी लाइनिंग कार्य, 232.67 लाख रुपए की लागत से कन्हैया नाला जलाशय योजना के शीर्ष कार्य का जीर्णोद्धार।

अचानक दिल्ली पहुंचे सऊदी अरब के मंत्री

नई दिल्ली (ए)। सऊदी अरब के विदेश राज्य मंत्री आदिल अल-जुबैर पूर्व घोषित यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे और भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में गुरुवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। सऊदी अरब के जलवायु दूत भारतीय मंत्री के बीच बैठक के बारे में एकमात्र जानकारी जयशंकर ने पोस्ट के माध्यम से दी। उन्होंने कहा कि गुरुवार सुबह सऊदी अरब के विदेश मामलों के राज्य मंत्री आदिल अल-जुबैर के साथ अच्छी बैठक हुई। जयशंकर ने भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ स्थानों पर आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए सैन्य हमलों का जिक्र करते हुए कहा, ''हमने आतंकवाद का दृढ़ता से मुकाबला करने पर भारत के दृष्टिकोण को साझा किया।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बावडियों के संरक्षण का कार्य जारी

सीईओ जिला पंचायत ने लिया जायजा

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिले में मौजूद बावडियों के जीर्णोद्धार एवं संरक्षण का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर द्वारा आज ग्राम रायपुरा, सोईकला, बर्धा स्थित प्राचीन बावडियों का अवलोकन किया गया तथा जीर्णोद्धार कार्य के संबंध में दिशा निर्देश दिये गये। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी जिला पंचायत श्री विक्रम जाट भी उपस्थित थे। सीईओ जिला पंचायत श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रो में स्थित प्राचीन बावडियों के जीर्णोद्धार तथा साफ-सफाई के कार्यो का जायजा लिया गया। रायपुरा, सोइकला एवं बर्धा में संचालित कार्यो का निरीक्षण करते हुए उन्होंने निर्देश दिये कि बावडियों के जीर्णोद्धार के दौरान उनकी पुताई भी कराई जायें तथा बावडी के परम्परागत, प्राकृतिक जल स्त्रोतो को विशेष रूप से साफ किया जाये, जिससे बारिश के दिनो में पानी का भण्डारण हो सकें। उन्होने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक जारी रहेगा। इसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र स्थित 24 बावडियों की साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य लिया गया है। उन्होने बताया कि अगरा-मदनपुर, पहेला, खिरखिरी, बावडीचापा, बरदुला, बर्धाबुजुर्ग, सोईकला, बगडूआ, जैदा, गुरनावदा, फिलोजपुरा, कुण्डहवेली, छीपाओ की बावडी सोईकला, बारह गांव की बावडी जावदेश्वर, खाती की बावडी लुहाड, तकीया बावडी लुहाड, चोडपुर की बावडी मठेपुरा, ननावद की बावडी, रतोदन, रायपुरा, सावलिया जी की बावडी अजापुरा, जैदा बावडी, जाटखेडा बावडी एवं रामेश्वर की बावडी मानपुर के जीर्णोद्धार के कार्य शामिल किये गये है।

37 दिव्यांगजनो के बनाये मेडिकल सर्टिफिकेट

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा दिव्यांगजनो के मेडिकल बोर्ड से सर्टिफिकेट बनाये जाने के निर्देशो के क्रम में आज सहसराम में शिविर का आयोजन कर 37 दिव्यांगजनो के मेडिकल सर्टिफिकेट बनाये गये। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के तत्वाधान में उप स्वास्थ्य केन्द्र सहसराम में आयोजित शिविर के दौरान 40 दिव्यांगजनो का पंजीयन हुआ तथा मेडिकल बोर्ड की टीम द्वारा दिव्यांगता का परीक्षण कर 37 दिव्यांगजनो के सर्टिफिकेट बनाये गये। इस अवसर पर डॉ एके करोरिया, डॉ लालित शर्मा, डॉ राजेश शाक्य, डॉ जीके गोयल के अलावा डीडीआरसी के प्रशासनिक अधिकारी श्री सतीश सिंह, श्री अनिल यादव, श्री राजभान पटेल, श्री अशोक यादव आदि उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा द्वारा दिव्यांगजनो के पेंशन सहित अन्य सुविधाओं का लाभ प्रदान करने के साथ ही यूडीआईडी कार्ड बनाये जाने के क्रम में दूर दराज के क्षेत्र में शिविर लगाये जाने के निर्देश दिये गये है, जिससे दिव्यांगजनो को मेडिकल बोर्ड से सर्टिफिकेट बनाने के लिए लम्बा सफर तय कर श्योपुर जिला अस्पताल तक आने जाने की समस्या दूर हुई है। इसी क्रम में उन्होने दूर दराज के क्षेत्रो में मेडिकल बोर्ड की टीम भेजकर शिविर लगाने के निर्देश दिये है।

विजयपुर में 15 को लगेगा शिविर

दिव्यांगजनों के मेडिकल बोर्ड से दिव्यांग सर्टिफिकेट यूडीआईडी कार्ड बनाये जाने हेतु जनपद पंचायत विजयपुर में 15 मई को शिविर लगाया जायेगा।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने सीईओ जनपद पंचायत विजयपुर एवं सीएमओ नगर परिषद विजयपुर को निर्देश दिये है कि ऐसे दिव्यांगजन जिनके प्रमाण पत्र नही बने है, उन्हें शिविर स्थल पर पहुंचाना सुनिश्चित करे तथा वार्ड प्रभारियों को दायित्व प्रदान करें।

श्योपुर, कराहल, बडौदा, विजयपुर में गर्भवती महिलाओं की जांच हेतु शिविर 9 को

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिला अस्पताल श्योपुर सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कराहल, बडौदा, विजयपुर में गर्भवती महिलाओं की जांच के लिए 9 मई को शिविर आयोजित किये जायेंगे। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जेएन सक्सैना ने बताया कि जिला चिकित्सालय के मेटरनिटी वार्ड में स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा गर्भवती महिलाओं की जांच कर परामर्श दिया जायेगा। इसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कराहल में स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. रेखा जैन, बडौदा में डॉ. मृगनयनी मीणा व विजयपुर में डॉ. प्रदीप शर्मा, डॉ. कृतिका द्वारा गर्भवती माताओं की जांच एवं उपचार किया जायेगा। उन्होने बताया कि मातृ और नवजात शिशु मृत्यु दर में कमी लाने हेतु प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्रत्येक माह की 9 एवं 25 तारीख को सभी गर्भवती महिलाओं को निशुल्क गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व देखभाल हेतु गर्भावस्था के दूसरे और तीसरे तिमाही में गर्भवती महिलाओं की देखभाल व जांच स्त्रीरोग विशेषज्ञ चिकित्सक से कराने हेतु हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर केंप लगाये जा रहे है। शिविर में उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं का पता लगाकर उचित देखभाल व उपचार हेतु आवश्यक जांचे की जाती है एवं विशेष निगरानी में चिकित्सीय सेवायें प्रदाय की जाती है।

विभिन्न ग्रामों में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

श्योपुर ब्यूरो। म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशानुसार एवं माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिविसेप्रा. श्री पवन कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में श्रीमती वर्षा सुर्यवशी मजूमदार सचिव, जिविसेप्रा द्वारा जिला श्योपुर के ग्राम जैदा, ग्राम मठेपुरा, ग्राम कनापुर ग्राम अजापुरा, ग्राम ग्वाड़ी व ग्राम प्रेमपुरा में नालसा एवं सालसा के प्रति जागरूकता हेतु शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर के दौरान माननीय सचिव श्रीमती वर्षा सूर्यवंशी मजूमदार, द्वारा उक्त ग्रामों के ग्रामीणजन को नालसा व सालसा की योजनाओं जैसे नालसा की स्कीम प्रभावी कियान्वयन के लिये विधिक सहायता योजना, मनरेगा योजना, नालसा (जागृति जमीनी स्तर पर ग्रामीण सूचना और पारदर्शिता पहल के लिये न्याय जागरूकता) योजना, 2015, नालसा स्कीम असंगठित श्रेत्र के श्रमिकों के लिये विधिक सहायता योजना, विषय पर विस्तृत रूप से जानकारी प्रदाय की। साथ ही ग्रामीण स्वालंबन समिति/जनसाहस सेवा संस्था के जिला समन्वयक श्री रामलखन प्रजापति द्वारा अपनी संस्था का परिचय देते हुये उपस्थित मानव तस्करी, बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी, मानव दुर्व्यवहार, मजदूरी के दौरान हुये ये शोषण के विषय पर जानकारी दी एवं मजदूर हेल्पलाईन नम्बर 180012011211 के बारे में भी बताया साथ ही संबल कार्ड, ई-श्रम कार्ड आयुष्मान कार्ड, जॉब कार्ड, बीओसी कार्ड आदि के बारे में बताते हुये अन्य सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदाय की गई। उक्त ग्रामों में आयोजित शिविर कार्यकम में श्रीमती वर्षा सूर्यवंशी मजुमदार, सचिव महोदय, जिविसेप्रा, ग्रामीण स्वालंबन समिति, जनसाहस सेवा संस्था के जिला समन्वयक श्री रामलखन प्रजापति, सरपंच, सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व ग्रामीणजन उपस्थित रहें।

टेलेंट सर्च का आयोजन 16 जून से, आदिवासी बालक क्रीडा परिसर की 63 सीटो पर मिलेगा प्रवेश

श्योपुर ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जनजातीय विभाग द्वारा संचालित आदिवासी बालक क्रीडा परिसर ढेगदा में वर्ष 2025-26 के लिए प्रवेश हेतु टेलेंट सर्च का आयोजन किया जा रहा है। विकासखण्ड विजयपुर में अनुसूचित जाति खण्ड स्तरीय उत्कृष्ट बालक छात्रावास विजयपुर में 16 जून को, विकासखण्ड कराहल में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कराहल में 18 जून को तथा श्योपुर विकासखण्ड के लिए क्रीडा परिसर ढेगदा में 20 जून को प्रातः 10 बजे से शाम 04 बजे तक विकासखण्ड स्तरीय टेलेंट सर्च का आयोजन किया गया है। अंतिम चयन जिला स्तर पर क्रीडा परिसर ढेगदा में विकासखण्डवार आयोजित टेलेंट सर्च के माध्यम से किया जायेगा। टेलेंट सर्च के माध्यम से कुल 63 रिक्त सीटो पर खिलाडी विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जायेगा। प्रभारी सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण श्री रिशु सुमन ने बताया कि विकासखण्ड स्तर के टेलेंट सर्च में चयन उपरांत क्रीडा परिसर ढेगदा में श्योपुर विकासखण्ड के लिए 23 जून को, विजयपुर विकासखण्ड के लिए 24 जून को तथा कराहल विकासखण्ड के लिए 25 जून को जिला स्तर पर टेलेंट सर्च आयोजित होगे, जिसमें शारीरिक परीक्षण तथा वैटरी टेस्ट फाइनल के बाद अंतिम चयन सूची जारी की जायेगी। जिला स्तर का टेस्ट प्रातः 09 बजे से शाम 04 बजे तक आयोजित होगा। टेलेंट सर्च में शामिल होने के लिए मिनी वर्ग के 11 से 14 वर्ष, जूनियर वर्ग में 16 से 18 वर्ष तथा सीनियर वर्ग में 16 से 18 वर्ष के खिलाडी विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। टेलेंट सर्च में चयन लम्बाई, नापतौल से लेकर 10 वैटरी टेस्ट के आधार पर एथलेटिक्स एवं मार्शल आर्ट विधा में किया जायेगा। इस टेलेंट सर्च में मध्यप्रदेश के किसी भी जिले के छात्र भी भाग ले सकते है, वे अपनी सुविधा अनुसार उक्त तिथियो में विकासखण्ड स्तर पर आयोजित टेलेंट सर्च में शामिल हो सकते है तथा विकासखण्ड स्तर पर चयन के उपरांत जिला स्तर के फाइनल राउंड में विकासखण्डवार नियत तिथि अनुसार उपस्थित हो सकते है।

नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण में होंगे समझौते, लोक अदालत 10 मई को

श्योपुर ब्यूरो। प्रदेश में 10 मई 2025 (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत आयोजित होगी। इसमें बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण को समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि धारा 135 के अंतर्गत अदालत में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को ही प्रकरणों में छूट दी जाएगी। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें। प्री-लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी। आवेदक को निर्धारित छूट के उपरांत शेष बिल आंकलित सिविल दायित्व एवं ब्याज की राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। उपभोक्ता/उपयोगकर्ता को विचाराधीन प्रकरण वाले परिसर एवं अन्य परिसरों पर उसके नाम पर किसी अन्य संयोजन/संयोजनों के विरूद्ध विद्युत देयकों की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान भी करना होगा। आवेदक के नाम पर कोई वैध कनेक्शन न होने की स्थिति में छूट का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदक द्वारा वैध कनेक्शन प्राप्त करना एवं पूर्व में विच्छेदित कनेक्शनों के विरूद्ध बकाया राशि (यदि कोई हो) का पूर्ण भुगतान किया जाना अनिवार्य होगा। नेशनल लोक अदालत में छूट आवेदक द्वारा विद्युत चोरी/अनधिकृत उपयोग पहली बार किये जाने की स्थिति में ही दी जाएगी। विद्युत चोरी/अनधिकृत उपयोग के प्रकरणों में पूर्व की लोक अदालत/अदालतों में छूट प्राप्त किये उपभोक्ता/उपयोगकर्ता छूट के पात्र नहीं होंगे। सामान्य बिजली बिलों में जुड़ी बकाया राशि पर कोई छूट नहीं दी जाएगी। नेशनल लोक अदालत में उपरोक्तानुसार दी जा रही छूट आकलित सिविल दायित्व राशि दस लाख रुपये तक के प्रकरणों के लिए सीमित रहेगी। यह छूट मात्र नेशनल ÷लोक अदालत÷ 10 मई 2025 को समझौते करने के लिये ही लागू रहेगी।

ग्राम मीसा में मुख्य मार्ग पर राहगीरों की प्यास बुझाने के लिए स्थापित की पानी की प्याऊ

भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए सेवा भाव के उद्देश्य से लगाया प्याऊ

भिण्ड ब्यूरो। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सीईओ जनपद भिण्ड श्री राजीव मिश्रा ने बीहड़ क्षेत्र होने, दूर-दराज तक पेयजल की व्यवस्था नहीं होने एवं भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए सेवा भाव के उद्देश्य से ग्राम पंचायत मीसा में मुख्य मार्ग पर राहगीरों की प्यास बुझाने के लिए सार्वजनिक प्याऊ की स्थापना की। पानी की प्याऊ से राहगीरों को अब शुद्ध पीने का शीतल जल मिलेगा। यह सिर्फ प्यास बुझाने की पहल नहीं, बल्कि जल संरक्षण और जागरूकता की दिशा में एक सार्थक कदम है। जनपद सदस्य श्री सितम्बर सिंह, सीईओ जनपद भिण्ड श्री राजीव मिश्रा द्वारा निःशुल्क प्याऊ जल का शुभारंभ किया गया। सीईओ जनपद भिण्ड श्री राजीव मिश्रा ने बताया कि भीषण गर्मी के दृष्टिगत जहां-जहां पानी की कमी है, आसानी से पेयजल उपलब्ध नहीं होता है ऐसे सभी स्थानों को चिन्हित कर यथाशीघ्र ही प्याऊ स्थापित किए जाएंगे। आज ग्राम मीसा में प्याऊ लगाकर आम लोगों एवं राहगीरों को पानी पिलाया जा रहा है। पानी पिलाने का सिलसिला गर्मी के दौरान चलता रहेगा। गर्मी के मौसम में प्याऊ से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही इस प्याऊ पर राजगीरों को पानी पिलाने एवं देखरेख के लिए ग्राम सरपंच द्वारा एक व्यक्ति भी नियुक्त किया गया है।

सह पीएलव्ही बैठक सम्पन्न

आगामी नेशनल लोक अदालत आज

भिण्ड ब्यूरो। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार वर्ष 2025-26 की प्रेषित कार्ययोजना अनुसार विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाता है। इसी तरतम्य में श्री उमेश पाण्डव, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भिण्ड के मार्गदर्शन में एवं सुश्री अनुभूति गुप्ता, न्यायाधीश/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भिण्ड की अध्यक्षता में एवं श्री देवेश शर्मा, जिला विधिक सहायता अधिकारी जिला भिण्ड की उपस्थिति में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर सह-बैठक का आयोजन ए0डी0आर0 हॉल भिण्ड में किया गया। उक्त कार्यक्रम में सुश्री अनुभूति गुप्ता, सचिव द्वारा अपने उद्बोदन में व्यक्त किया गया आप सभी पैरालीगल वॉलेंटियर्स को ''न्याय सभी के लिए'' की अवधारणा को साकार करने का सत्त प्रयास करते रहना चाहिए। सभी पैरालीगल वॉलेंटियर्स को भविष्य में समाज के गरीब तबकों के लिए पूरे उत्साह के साथ न्याय दिलाने का कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया साथ ही माह मई, 2025 में आयोजित किए जाने वाले विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविरों के बारें में चर्चा की गई एवं समस्त पैरालीगल वॉलेंटियर्स को निर्देशित किया गया कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविरों का आयोजन कराने में सहायता करें जिससे समाज के गरीब तबकों के लोगों को सालसा एवं नालसा द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभों से अवगत करा सकें। समस्त पीएलव्ही से कार्यस्थल पर उनकी विधिक सलाह एवं सहायता संबंधी आ रही समस्याओं के बारें में चर्चा की गई एवं उनका निराकरण किए जाने का पूर्ण आश्वासन दिया गया तथा 10 मई, 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार करने हेतु पेम्पलेट्स प्रदाय किए गए एवं अधिक से अधिक संख्या में प्रकरणों के निराकरण हेतु पक्षकारगण को नेशनल लोक अदालत के लाभों से अवगत कराने हेतु भी निर्देशित किया गया।

विधिक जागरूकता कार्यक्रम सह पीएलव्ही बैठक सम्पन्न

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जन जागरूकता हेतु जिले में चलाई जा रही है विभिन्न गतिविधियां

''जल गंगा संवर्धन'' अभियान के अंतर्गत नवांकुर संस्था द्वारा आदर्श ग्राम उद्दनखेड़ा में किया श्रमदान

भिण्ड ब्यूरो। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉ शिवप्रताप सिंह भदौरिया जी के निर्देशन एवं विकासखण्ड समन्वयक श्री सोहन सिंह भदौरिया जी के मार्गदर्शन में जन अभियान परिषद विकासखंड अटेर के सेक्टर क्रमांक 02 नवांकुर संस्था पावन पथ समाज सेवा जनकल्याण समिति भिण्ड द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गांव-गांव में जन जागरूकता हेतु रैली एवं अन्य गतिविधियां आयोजित की जा रही है, इसी क्रम में आज आदर्श ग्राम उद्दनखेड़ा में जल संरक्षण हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, श्रमदान कर विकासखण्ड समन्वयक श्री सोहन सिंह भदौरिया द्वारा संबोधित करते हुए उपस्थित ग्राम वासियों को जल गंगा संवर्धन की जानकारी देते हुए कहा कि हमें आने वाले दिनों में जल संरक्षण करना है, एवं जल को व्यर्थ नहीं बहना है ज्यादा से ज्यादा जल संरक्षित करके रखना है जिससे गर्मी में पानी की समस्या ना हो और यदि हम आज जल संरक्षित करेंगे तो आने वाली पीढ़ी को हम जल उपलब्ध करा सकते है। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के अंतर्गत जल के उचित प्रयोग ,सोखता गड्ढा निर्माण, वाटर रिचार्ज और बारिश का जल रोकने और वृक्ष लगाने का अनुरोध किया गया। नवांकुर समिति के सचिव अतुलकांत शर्मा ने जल संरक्षण को लेकर चर्चा करते हुए कहा कि पृथ्वी पर सभी जीवों को पीने योग्य जल चाहिए। यदि एक दिन जल न मिले तो तड़प तड़प कर जीवों की जान निकल जाएगी। क्योंकि जल है तो जीवन है। पीने योग्य पानी पृथ्वी पर एक प्रतिशत है, जिसका दोहन हम प्रचुर मात्रा में कर रहे हैं और इसका दुरुपयोग भी बड़े स्तर पर किया जा रहा है। इसलिए पानी के दुरुपयोग को रोकना हमारा कर्त्तव्य है। जल संरक्षण में सभी को सहयोग करना होगा। तभी यह अभियान सफल होगा। हमें आवश्यकता के अनुसार जल का प्रयोग करना है और अपने आसपास के लोगों को जल संवर्धन करने के लिए प्रेरित करना है। प्राचीन जल स्रोतों का जीणोद्धार करना व उनकी साफ सफाई कर उन्हें जल उपयोग के लिए तैयार करना है। परामर्शदाता अंकित धाकरे ने जल के संरक्षण हेतु सभी को शपथ दिलाई और सभी से आग्रह करते हुए कहा कि इस संदेश को हमें अपने गांव के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचना है, यही हमारा परम कर्तव्य है। इस अवसर पर विकास खण्ड समन्वयक सोहन सिंह भदौरिया, संस्था प्रमुख अतुलकांत शर्मा, परामर्शदाता रचना भदौरिया, अंकित धाकरे सहित प्रस्फुटन समिति के प्रतिनिधि लक्ष्मण नरवरिया,देवेंद्र नरवरिया,रनसिंह नरवरिया,सतेंद्र सिंह नरवरिया,अजब सिंह,गौरव परिहार,वीर प्रताप परिहार,दीपू परिहार आदि लोग मौजूद थे।

कलेक्टर ने उपयंत्री (संविदा) मनरेगा जनपद पंचायत गोहद को बगैर किसी वैध संविदा

अनुबंध के किये जा रहे कार्य से किया पृथक, प्राथमिक जांच में अनियमितता पायी जाने एवं लगाये गये आरोपों की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुये किया आदेश

भिण्ड ब्यूरो। कलेक्टर श्री संजीव श्रीवास्तव ने श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव उपयंत्री (संविदा) मनरेगा को प्राथमिक जांच में अनियमितता पायी जाने एवं उनके ऊपर लगाये गये आरोपों की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुये उनके द्वारा बगैर किसी वैध संविदा अनुबंध के किये जा रहे कार्य से पृथक कर दिया है। कलेक्टर भिण्ड श्री श्रीवास्तव ने आदेशित कर कहा है कि श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव उपयंत्री (संविदा) मनरेगा जनपद पंचायत गोहद के संबंध में प्राथमिक जांच में अनियमितता पायी गयी। जिसमें मनरेगा पोर्टल पर दिनांक 09 अक्टूबर 2023 की स्थिति में जनपद पंचायत गोहद में विगत वर्षों का राशि रू. 11.62 करोड़ का सामग्री भुगतान लंबित प्रदर्शित हो रहा है। उक्त लंबित भुगतान में से कुल राशि 5.53 करोड़ का सुदूर सड़क का भुगतान लंबित है। जिसका भुगतान म0प्र0 राज्य रोजगार गारंटी परिषद के पत्र दिनांक 30 मार्च 2022 अनुसार कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के माध्यम से कार्य की गुणवत्ता तथा उपयोगिता के परीक्षण उपरांत भुगतान किया जाना है। राज्य स्तर से अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद के द्वारा की गई जांच में पाया गया है कि ग्राम पंचायत सिलौहा, खिरियाजछू, पिपरसाना में मनरेगा अंतर्गत गैर अनुमत कार्यों के राशि 14.81 लाख के बिल विलोपन योग्य एवं गैर अनुमत कार्यों पर पूर्व में भुगतान की गयी राशि रू. 21.79 लाख वसूली योग्य है। उपरोक्त से स्पष्ट है कि श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव उपयंत्री (संविदा) द्वारा गैर अनुमत कार्यों के प्राक्कलन तैयार किये जाकर सहायक यंत्री को प्रस्तुत किये जाना एवं गैर अनुमत कार्यों का मूल्यांकन किया जाकर उनके द्वारा पदीय दायित्वों का निर्वहन नियमानुसार नहीं किया गया। जिस पर आयुक्त मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा उनको कारण बताओ नोटिस दिनांक 08 जनवरी 2024 जारी किया गया था। जिसका जबाव श्री श्रीवास्तव द्वारा दिनांक 16 जनवरी 2024 को प्रस्तुत किया गया था।

श्री श्रीवास्तव का जबाव समाधानकारक न पाते हुये निष्कर्ष दिये गये कि श्री श्रीवास्तव विकासखण्ड गोहद में दिनांक 10 अप्रैल 2019 से वर्तमान तक उपयंत्री के पद पर पदस्थ हैं। श्री श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण का परीक्षण किया गया। परीक्षण में पाया गया कि जनपद पंचायत गोहद में वर्ष 2022-23 तक सामग्री मद का कुल भुगतान राशि 842.06 लाख रूपये आज दिनांक तक मनरेगा पोर्टल अनुसार लंबित है। उक्त लंबित भुगतान में से विलोपन योग्य राशि 49.02 लाख रूपये की सूची प्रस्तुत की गई, इसके साथ ही गैर अनुमत्य कार्य जिन पर राशि 716.99 लाख रूपये विधि विरूद्ध आहरित किये गये हैं, की सूची प्रस्तुत की गई है। साथ ही ऐसे गैर अनुमत्य कार्य जो मौके पर नहीं हैं अथवा मूल्यांकन अनुरूप कार्य होना नहीं पाया गया, की सूची प्रस्तुत की है। जिसकी राशि 43.58 लाख रूपये होकर भुगतान होना शेष बताया गया है। उपरोक्त सूचियों का अवलोकन करने से प्रथम दृष्टया यह प्रमाणित है कि श्री श्रीवास्तव द्वारा अपर आयुक्त मनरेगा परिषद की जांच के पूर्व ऐसे गैर अनुमत्य कार्यों को डिलीट करने हेतु कभी भी जनपदध्जिला अथवा परिषद स्तर पर कोई कार्यवाही नहीं की है। जबकि उपयंत्री (मनरेगा) होने के नाते यह उनका पदीय दायित्व है। उपयंत्री (मनरेगा) द्वारा कार्य का प्राक्कलन तैयार करने से पूर्वध्मूल्यांकन करने से पूर्व कार्य की श्रेणी एवं कार्य की प्रकृति का परीक्षण एएमसी (एनुअल मास्टर सर्कुलर) अनुमत्य की श्रेणी का परीक्षण आवश्यक रूप से किया जावें, जो इनके द्वारा नहीं किया गया। फलतः राशि 716.99 लाख रूपये के गैर अनुमत्य कार्यों पर अनियमित भुगतान किया गया। जबकि उनका यह दायित्व था कि ऐसे अनुमत्य कार्यों के प्राक्कलन तैयार करने से पूर्वध्मूल्यांकन करने से पूर्व अपने स्तर पर ही रोक कर वरिष्ठ कार्यालय को अवगत कराते। इनके द्वारा सुदूर सड़क के सत्यापन को त्वरित गति से करने हेतु समन्वय स्थापित नहीं किया और न ही मूल्यांकन अनुसार भुगतान करने में कोई रूचि ली गयी। श्री श्रीवास्तव द्वारा कलस्टर मुख्यालय पर निवास किये जाकर कार्य के प्रारंभ में लेआउट दिये जाने, अग्रिम अनुमोदित दौरा डायरी के अनुरूप साप्ताहिक क्षेत्र भ्रमण कर साप्ताहिक मूल्यांकन को माप पुस्तिका में रिकार्ड दर्ज करने जैसे प्रमाण प्रस्तुत नहीं किये हैं, और न ही कार्यों के संबंध में व्यवस्थित नस्तियां व आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किये हैं। इनके द्वारा कार्यालयीन समीक्षा बैठकों के दौरान समक्ष में अवगत कराया गया है कि क्षेत्र में लेबर उपलब्ध नहीं है, बावजूद इसके कार्यों पर मस्टर रोल जारी कर फर्जी तरीके से श्रमिकों के खातों में भुगतान कराना, उपरोक्त अनियमितता में प्रत्यक्ष रूप से संलिप्तता को इंगित करता है, जो कि संविदा सेवा शर्तों के विपरीत है। मध्यप्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्रालय भोपाल के पत्र दिनांक 13 नवंबर 2024 द्वारा श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव उपयंत्री (संविदा) मनरेगा तृतीय श्रेणी संविदा उपयंत्री के विरूद्ध कार्यवाही हेतु बताते हुये कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया है। जिस पर दिनांक 16 जनवरी 2025 को पुनः कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर जबाब चाहा गया कि संविदा सेवा की अनुबंध पत्र की कंडिका 4 के तहत क्यों न उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाये। श्री श्रीवास्तव द्वारा पुनः दिनांक 07 फरवरी 2025 को जबाव प्रस्तुत कर आरोपों से इंकार किया है एवं अपने समर्थन में ऐसी ही अनियमिततायें अन्य जिलों शिवपुरी, गुना आदि में किया जाना बताया गया है। श्री श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत जबाब में आरोपों का समाधान नहीं होता है। श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव उपयंत्री (संविदा) मनरेगा वर्तमान में किसी वैध संविदा अनुबंध के तहत कार्यरत नहीं है। उनके ऊपर लगाये गये आरोपों की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुये उनके द्वारा बगैर किसी वैध संविदा अनुबंध के किये जा रहे कार्य से पृथक किया जाता है। यह आदेश तत्काल प्रभावी होगा।

मानव सेवा से बढ़कर कोई कार्य नहीं है : संभागीय आयुक्त श्री खत्री

जरूरतमंदों की सेवा के लिये समाज के सभी वर्ग आगे आएं : कुलपति डॉ. शुक्ला

थैलेसीमिया से पीड़ितों के चिन्हांकन के लिये रेडक्रॉस समिति के माध्यम से चलाया जायेगा अभियान : कलेक्टर श्रीमती चौहान, विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर सहयोगी संस्थाओं का किया गया सम्मान, विश्व रेडक्रॉस दिवस मनाया गया

ग्वालियर। मानव सेवा से बढ़कर कोई कार्य नहीं है। जरूरतमंदों की सेवा हम सबको निस्वार्थ भाव से करना चाहिए। ग्वालियर रेडक्रॉस समिति इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने गुरुवार को विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर होटल रीजेंसी में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में यह बात कही। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने की। इस मौके पर रेडक्रॉस समिति के चेयरमेन श्री सर्वजीत ज्ञानी, सचिव श्री नवल कुमार शुक्ला सहित रेडक्रॉस समिति से जुड़े गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने कहा कि समाज के प्रति हम सबकी जवाबदारी होती है। जरूरतमंदों को सहयोग करना हम सबका कर्तव्य है। ग्वालियर रेडक्रॉस समिति के माध्यम से न केवल स्वास्थ्य के क्षेत्र में बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी जो कार्य किया जा रहा है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। उन्होंने कहा कि किसी भी आपदा के समय रेडक्रॉस से जुड़े हुए लोग हमेशा ही बढ़-चढ़कर सेवा के कार्य में सहयोग करते हैं। समाज के विभिन्न वर्गों को भी इस पुनीत कार्य में जोड़ा जाना चाहिए। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अरविंद कुमार शुक्ल ने कहा कि रेडक्रॉस समिति का निर्माण युद्ध में घायल हुए सैनिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें देने के उद्देश्य से किया गया था। वर्तमान में रेडक्रॉस समिति समाज के असहाय लोगों को मदद पहुँचाने के क्षेत्र में कार्य कर रही है। मानव के प्रति सहयोग, दया, सहानुभूति रखते हुए कार्य करना ही समिति का कार्य है। ग्वालियर रेडक्रॉस समिति अपने उद्देश्य में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। कुलपति डॉ. शुक्ला ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा हम सबका धर्म है। संकल्प लेकर जरूरतमंदों की सेवा करने का कार्य समाज के सभी वर्ग करें। इसके लिये जन जागरूकता भी आवश्यक है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि रेडक्रॉस समिति ग्वालियर विभिन्न क्षेत्रों में जरूरतमंदों का सहयोग करने का कार्य कर रही है। वर्तमान समय में व्यक्तिगत उन्नति के कारण समाज में मानव मूल्य में कमी आई है। तेजी से बढ़ती हुई दुनिया में जरूरतमंदों की मदद करने का जुनून पैदा करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर में रेडक्रॉस समिति की टीम मिलकर सभी क्षेत्रों में निरंतर अच्छा कार्य कर रही है। ग्वालियर में रेडक्रॉस समिति के माध्यम से रक्तदान के साथ-साथ अब हम सबको देह दान के लिये भी लोगों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि ग्वालियर जिले में रेडक्रॉस समिति के माध्यम से तीन सप्ताह का विशेष अभियान चलाकर थैलीसीमिया से पीड़ित लोगों को चिन्हित करने का अभियान भी चलाया जायेगा। ग्रामीण क्षेत्र में हीमोग्लोबिन की कमी के कई प्रकार सामने आते हैं। ऐसे मरीजों का परीक्षण कराकर अन्य बीमारियों की भी जाँच कराई जाना चाहिए। ग्वालियर रेडक्रॉस समिति के माध्यम से शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में अभियान चलाया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि आपात स्थिति में अधिक से अधिक लोगों को मदद पहुँचाने के उद्देश्य से रेडक्रॉस समिति के सदस्यों के पंजीयन का भी विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को रेडक्रॉस समिति से जोड़े जाने का कार्य किया जायेगा। कार्यक्रम के प्रारंभ में रेडक्रॉस समिति के डायरेक्टर श्री सर्वजीत ज्ञानी ने रेडक्रॉस समिति द्वारा किए गए कार्यों के बारे में जानकारी देते हुए समारोह में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत किया। रेडक्रॉस समिति के सचिव श्री नवल कुमार शुक्ला ने बताया कि ग्वालियर में रेडक्रॉस समिति का गठन 1983 में किया गया। समिति के माध्यम से रक्त कोष का संचालन, घायलों, बीमारों, थैलेसीमिया से पीड़ित व्यक्तियों, अति कमजोर महिलाओं एवं कैंसर से ग्रसित लोगों को ब्लड उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्वालियर में 13 हजार 276 यूनिट रक्त विभिन्न शिविरों एवं स्वैच्छिक रक्तदान करने वालों से एकत्र कर जरूरतमंदों को दिया गया है। इसके साथ ही समिति का चलित रक्तदान वाहन संचालित किया जा रहा है। रेडक्रॉस समिति के माध्यम से अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक 27 लाख 98 हजार से अधिक की सहायता उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही निरंतर शिविर आयोजित कर रक्तदान का कार्य किया जा रहा है।

विभिन्न दानदाताओं और सहयोगी संस्थाओं का किया गया सम्मान

विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में अतिथियों द्वारा रेडक्रॉस समिति के माध्यम से रक्तदान करने वालों और सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर संत निरंकारी मण्डल ब्रांच ग्वालियर, स्व. डॉ. विनय कुमार जैन रक्तदान समिति गोरमी, ओम श्री मंशापूर्ण मनकामेश्वर परमार्थ लोक न्यास जौरा, पूर्णिमा अग्रवाल मायाचन्द्र धर्मशाला फोर्ट रोड ग्वालियर, श्री हर्ष बंसल म.प्र. अग्रवाल युवा महासभा सबलगढ, यूथ पावर केयर रक्तदान सेवा संस्थान ग्वालियर, रोटरी क्लब डबरा सुगर सिटी, केपीसी प्रोजेक्ट लिमिटेड रेलवे स्टेशन रिडवलपमेंट प्रोजेक्ट ग्वालियर, सेवा भारती मुरैना एवं एलएण्डटी कंस्ट्रक्शन ग्वालियर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। इसके साथ ही रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले सर्वश्री गजेन्द्र जैन, लाखनलाल कुशवाह, संजय पाण्डेय, जीडी लड्ढा सहित अन्य सहयोगियों का भी अतिथियों ने स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया।

शिक्षा महाविद्यालय की विकास समिति की बैठक सम्पन्न

बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

ग्वालियर। शासकीय प्राध्यापक शिक्षा महाविद्यालय की विकास समिति की बैठक संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में महाविद्यालय के विकास के लिये अनेक निर्णय लिए गए। संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित विकास समिति की बैठक में जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका सतेन्द्र सिंह घुरैया, संस्था के प्राचार्य श्री हरिओम चतुर्वेदी, अपर आयुक्त नगर निगम श्री विजय राज, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अजय कटियार, संस्था के प्रोफेसर श्री एस बी ओझा, श्रीमती अर्चना रघुवंशी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। शासकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय की विकास समिति की बैठक में जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वारा निर्धारित महाविद्यालय संबद्धता शुल्क के वार्षिक भुगतान की अनुमति प्रदान की गई है। इसके साथ ही वर्ष 2025 से 2027 तक के लिये आंतरिक परीक्षा हेतु मूल्यांकन बुकलेट, मनोवैज्ञानिक अभ्यास पुस्तिका, शिक्षण अभ्यास पुस्तिका, समालोचन पुस्तिका, वर्कबुक एवं आंतरिक मूल्यांकन पुस्तिकाओं एवं अन्य केन्द्रीय जेल ग्वालियर से कराए जाने वाले कार्यों एवं भुगतान की अनुमति प्रदान की गई। इसके साथ ही संस्था के सफाई कामगार का मानदेय 5 हजार रूपए किए जाने का निर्णय लिया गया है। संस्था में आकस्मिक व्यय हेतु 25 हजार रूपए की स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में शासकीय प्राध्यापक शिक्षा महाविद्यालय के बोरिंग का जल स्तर गिरने के कारण नवीन बोरिंग, मोटर आदि का कार्य कराए जाने की सैद्धांतिक स्वीकृति भी दी गई। इसके साथ ही महाविद्यालय के लिये एक कम्प्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति के संबंध में भी नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में संस्था के संचालन के संबंध में अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं की विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के प्रारंभ में संस्था के प्राचार्य श्री हरिओम चतुर्वेदी ने संस्था की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

शहर के सभी 66 वार्डों की मैपिंग कर पर्याप्त सायरन लगवाएँ

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट के निर्देश पर हुई बैठक में संभाग आयुक्त श्री खत्री ने दिए निर्देश

संभाग आयुक्त ने कहा ऐसी व्यवस्था बनाएं जिससे पूरे शहर को सचेत करने के लिये एक संकेत पर सभी सायरन बजें

जन जागरूकता के लिए पार्षदों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की बैठक बुलाएँ

ग्वालियर। ग्वालियर नगर निगम के सभी 66 वार्डों की मैपिंग कर ऐसे स्थल चयनित करें जहाँ पर सायरन लगाने के बाद पूरा शहर सायरन के दायरे में आ जाए। साथ ही ऐसी व्यवस्था करें, जिससे जरूरत पड़ने पर आपात स्थिति में एक ही इशारे पर एक साथ सभी सायरन बजाकर लोगों को सचेत किया जा सके। जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के निर्देश पर आयोजित हुई वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री ने इस आशय के निर्देश दिए। साथ ही कहा मैपिंग के माध्यम से स्थल चयनित करने के साथ-साथ सायरन लगाने का काम भी जल्द से जल्द पूर्ण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सायरन पर मिले संकेतों का पालन करने के लिये शहरवासियों को जागरूक भी किया जाए। श्री खत्री ने कहा कि जन जागरूकता के माध्यम से लोगों को समझाएं कि किसी प्रकार का पैनिक (घबराहट) न लाएँ, यह सभी व्यवस्थायें एहतियात बतौर की जा रही हैं। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिये जिले में की जा रहीं तैयारियों को लेकर संभाग आयुक्त श्री खत्री से चर्चा की। साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर एहतियात बतौर पुख्ता व्यवस्थायें करने के निर्देश दिए । इसी क्रम में संभाग आयुक्त श्री खत्री ने गुरुवार की शाम वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली। गुरुवार को संभाग आयुक्त कार्यालय में हुई बैठक में पुलिस महानिरीक्षक श्री अरविंद सक्सेना, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय व अपर जिला दण्डाधिकारी श्री टी एन सिंह मौजूद थे। संभाग आयुक्त श्री खत्री ने कहा कि शहर के सभी वार्डों में नए स्थलों पर सायरन लगाने के साथ-साथ शहर के सभी बैंकों व अन्य जगहों पर पूर्व से लगे सायरनों को सक्रिय कराएं और बैंकर्स से कहें कि सायरन चालू करने के लिये कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए।

उन्होंने कहा कि विभिन्न आवासीय कॉलोनियों रहवासी कल्याण संगठनों को भी अपनी-अपनी कॉलोनी में सायरन लगाने के लिये प्रेरित करें। बैठक में संभाग आयुक्त श्री खत्री ने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि आपात स्थिति में सायरन से संकेत मिलने पर सभी स्ट्रीट लाइट तत्काल बंद होनी चाहिए। इसकी पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करें। आपात स्थिति में नागरिकों का सहयोग प्राप्त करने के लिये जन जागरूकता पर संभाग आयुक्त श्री खत्री ने विशेष जोर दिया। उन्होंने इसके लिये शहर के सभी पार्षदों व अन्य जनप्रतिनिधियों बैठक लेने के निर्देश दिए। श्री खत्री ने कहा इन बैठकों के माध्यम से जनप्रतिनिधियों से आपात स्थिति में चलाए जाने वाले राहत व बचाव कार्य में सहयोग देने का आग्रह किया जाए। सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह करें कि सायरन से संकेत मिलने पर सभी लोग स्वेच्छा से अपने घरों व प्रतिष्ठानों की लाइटें अवश्य बंद करें, इसके लिये पार्षदगण अपने-अपने क्षेत्र के लोगो को प्रेरित करें। साथ ही यदि सड़क पर अपने वाहनों से जा रहे हों तो वाहन बंद कर सड़क किनारे लगाएं। इस काम में मोहल्ला समितियों का भी सहयोग अवश्य लें। पुलिस महानिरीक्षक श्री अरविंद सक्सेना ने भी आपात स्थिति से निपटने के लिये बनाई जा रही रणनीति के संबंध में उपयोगी सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि जिले में उपलब्ध जेसीबी, गैस कटर व अन्य मशीनरी को सूचीबद्ध कर इसकी जानकारी संबंधित थाने में दे दी जाए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले में आपात स्थिति को ध्यान में रखकर एहतियात बतौर की जा रहीं तैयारियों के बारे में जानकारी दी। साथ ही कहा कि सचेत एप के माध्यम से भी लोगों को जागरूक कराया जायेगा। जिले में राजस्व अनुविभागवार संयुक्त टीमें तैयार कर राहत एवं बचाव कार्य की रणनीति बनाई गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने बताया कि पुलिस थानों के माध्यम से लोगों को आपात स्थिति में सचेत करने के लिये जिले के सभी थानों से मोबाइल वाहन से सायरन के जरिए संकेत प्रसारित कराए जायेंगे। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने कहा ग्वालियर शहर में जरूरत पड़ने पर स्ट्रीट लाइट बंद करने के लिये विशेष व्यवस्था की जा रही है।

रिस्पाँस टाइम कम से कम हो

संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री ने कहा कि आपात स्थिति में बचाव दल का मौके पर पहुँचने में रिस्पाँस टाइम कम से कम हो। इसकी पुख्ता रणनीति बनाएं। उन्होंने कि ग्वालियर सहित जिले में स्थित सभी अस्पतालों में उपलब्ध बैड व मानव संसाधन का आंकलन कर अस्पतालों को सूचीबद्ध करें, जिससे आपात स्थिति में जरूरत पड़ने पर लोगों को जल्द से जल्द बेहतर स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने अस्पतालों में बिजली जाने की स्थिति में बैकअप के साथ लगाए गए चेंजओवर का परीक्षण कराने के निर्देश भी दिए। साथ ही कहा कि आपात स्थिति में एनडीआरएफ व एसडीआरएफ के साथ एनसीसी, एनएसएस, स्काउट, गाइड इत्यादि के वॉलेन्टियर को भी सूचीबद्ध करें और ऐसा सिस्टम बनाएं जिससे एक कॉल पर ये सभी निर्धारित स्थल पर पहुँच जाएं।

एहतियात बतौर पेट्रोल पंपों पर डीजल-पेट्रोल का स्टॉक रिजर्व रहे

संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री ने बैठक में यह भी निर्देश दिए कि जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर एहतियात बतौर पेट्रोल डीजल का स्टॉक रिजर्व कराएं, जिससे आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों के लिये पेट्रोल व डीजल की कमी न पड़े।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अफवाहें न फैलें

संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐसी खबरें व अफवाहें प्रसारित न हों, जिनसे लोगों में घबराहट व भ्रम की स्थिति पैदा हो। इसके लिये लोगों को जागरूक करें। साथ ही यह स्पष्ट कर दें कि सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाहें फैलाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

सेंवढा विधायक श्री प्रदीप अग्रवाल ने ग्राम पंचायत रुवाहा में किया 10 लाख लागत के निर्माण कार्य का किया भूमि पूजन

सरकार गांवों के विकास के लिये प्रतिबद्ध... विधायक

दतिया। वर्ष 2003 से प्रदेश में हमारी सरकार के आते ही ग्रामों में विकास की अनेकों योजनाएं आईं बच्चों के अध्ययन के लिए प्रत्येक 2 किलोमीटर पर प्राइमरी स्कूल एवं हर 5 किलोमीटर हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल की व्यवस्था सरकार द्वारा की गई लोगों की उत्तम स्वास्थ्य के लिए गांव गांव प्राईमरी हेल्थ सेंटर खोले गये है, गांव में आवागमन हेतु हमारी सरकार द्वारा पक्की सड़कें बनाई गई है, गांव की बहनों को लाडली बहना योजना से जोड़कर उन्हें आर्थिक सहायता देने का कार्य, 1 रुपये किलो में राशन उपलब्ध कराने का कार्य हमारी सरकार द्वारा किया गया है, प्रदेश सरकार के अलावा के केंद्रीय सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, प्रधानमन्त्री सड़क योजना जैसी सैंकड़ों योजनायें देकर हर व्यक्ति को लाभ पहुंचाने का कार्य किया। यह बात सेंवढा विधायक प्रदीप अग्रवाल ने ग्राम पंचायत रुवाहा के ग्राम रुवाहा में वानखंडेश्वर मंदिर पर आयोजित 10 लाख लागत की सीसी रोड के भूमि पूजन के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कही, उन्होने कहा कि मैं अपने कार्यकाल में ज्यादा से ज्यादा निधि गाँवों के विकास के लिये दूंगा। हर गांव में पक्की गलियां एवं यहाँ हर खंभे पर लाईट लगा कर गांव को रोशन करने का प्रयास है । इस अवसर पर ग्राम वासियों की मांग पर प्रांगण में पावर ब्लॉक लगाए जाने हेतु 300000 देने की घोषणा भी की गई कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य कपिल शर्मा के अलावा मंडल अध्यक्ष सेंवढा मुकेश चौधरी मंडल अध्यक्ष थरेट देवेश चौधरी तथा राममिलन चौधरी, धर्मेंद्र खडडर,प्रवीण गोस्वमी ,वीरू शर्मा ,कमलेश गुप्ता, विजय गुप्ता, रुस्तम सिंह कौरव,पवन पाठक, संतोष शर्मा, राजू कुशवाहा, बबलू राजपूत चीना, संजीव सिंह कमरिया, दीपक यादव, राजपाल सिंह गुर्जर, माधव सिंह गुर्जर आदि उपस्थित रहे । चंद्रपाल यादव एवं सचिव मुकेश भार्गव द्वारा समस्त अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया इस अवसर पर ग्रामवासी रामकुमार यादव, शिरोमणि सिंह यादव, आराम सिंह यादव, अटल सिंह यादव ,रामनरेश जाटव ,रमेश यादव ,महेश साहू ,अजय पटेल, उत्तम सिंह, कमल सिंह बाबा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में यहां आयोजित सहभोज में विधायक श्री अग्रवाल ने ग्राम वासियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ भोजन ग्रहण किया ।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना हजीरा पुलिस की कार्यवाही

घर से गायब हुई नाबालिग बालिका को थाना हजीरा पुलिस ने जयपुर राजस्थान से किया दस्तयाब

ग्वालियर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देशानुसार ग्वालियर जिले में गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देशों के परिपालन में अति. पुलिस अधीक्षक (पूर्व/यातायात/अपराध) ग्वालियर श्री कृष्ण लालचंदानी(भापुसे) द्वारा अपने अधीनस्थ सभी थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्र से गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु टीम बनाकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

घटना का संक्षिप्त विवरण:- दिनांक 26.04.2025 को ग्राम बेनीपुरा थाना बेहट जिला ग्वालियर हाल संजय नगर गदाईपुरा हजीरा निवासी फरियादी ने थाने में रिपोर्ट लेख कराई कि दिनांक 26.04.2025 की रात्रि में वह अपने परिवार के साथ एक ही कमरे में सो रहे थे तभी करीवन 01.15 बजे जब मेरी आंख खुली तो मेरी लड़की उम्र 15 साल 05 माह कमरे में नही थी फिर मेने व परिजनों ने आस पास व रिस्तेदारों में तलाश किया परन्तु कोई पता नहीं चला। मुझे शक है कि कोई अज्ञात व्यक्ति उसे बहलाफुसला कर उसे अपने साथ ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना हजीरा में अप0क्र0-159/25 धारा 137(2) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार सीएसपी महाराजपुरा श्री नागेन्द्र सिंह सिकरवार के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी हजीरा निरीक्षक शिवमंगल सिंह सेंगर के द्वारा थाना बल की टीम को उक्त प्रकरण में गुमशुदा नाबालिग बालिका की पतारसी हेतु लगाया गया। पुलिस टीम द्वारा अपहृता की दस्तयाबी हेतु उसके रिश्तेदारों, संभावित स्थानों एवं संदेहियों से पूछताछ की गई एवं उक्त नाबालिग अपहृता की पतारसी हेतु मुखबिर तंत्र सक्रिय किये गये। दिनांक 07.05.2025 को पुलिस टीम द्वारा तकनीकी सहायता एवं मुखबिर सूचना के आधार पर से उक्त प्रकरण की अपहृता बालिका को बाबा रामदेव नगर मेट्रो पिलर नं. 66 के सामने गुर्जर की थाडी जयपुर राजस्थान से दस्तयाब किया गया। पुलिस टीम द्वारा उक्त अपहृता बालिका को दस्तयाब कर ग्वालियर लाया गया। थाना हजीरा पुलिस द्वारा उक्त अपहृता बालिका के कथन उपरांत अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

सराहनीय भूमिका:- थाना प्रभारी हजीरा निरीक्षक शिवमंगल सिंह सेंगर, सउनि0 यशवंत सिंह, आर0 अरूण कुमार लोधी, म.आर0 मोनिका तोमर की सराहनीय भूमिका रही।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मुरैना (म0प्र0)

क्रमांक/क्यू/3/मा.रा./खनिज/2025/617 मुरैना,दिनांक- 02/05/2025

(म.प्र.गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18 (1-ब) के अन्तर्गत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षन अनुज्ञप्ति जो लागू हो प्राप्त करने के लिए)

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदिका-श्रमती सरोज आदिवासी पत्नी श्री कल्यान आदिवासी नि0-ग्राम धनेला तहसील बामौर जिला गुरैना द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक- 17.03.2025 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना कमांक 458 दिनांक 25.03.2025 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक- 22/04/2025 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/शासकीय	खनिज का नाम	रिमार्क
मुरैना	मुरैना हाल तह0 बामौर	धनेला	2969, 2990, 2991 2993 3607 3609	4.000 हे0	शास0 भूमि	गिट्टी उत्खनिपट्टा	

1- उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारिख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

2- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुये 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

3- यदि इस प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

4- यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत रयीकृत पर विचार किया जा सकेगा।

5- निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

जिला खनि अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला मुरैना (म0प्र0)

G-12516/25

घर में गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग डस्टबिन में रखने की दी समझाइश

ग्वालियर। स्वच्छ व स्वस्थ्य ग्वालियर के अंतर्गत शहर में म्यूज एवं डिवाइन संस्था के सहयोग से नगर निगम ग्वालियर द्वारा स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत विभिन्न मोहल्लों, विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों में जाकर छात्र-छात्राओं एवं आमजन को गीला सूखा कचरा अलग-अलग देने के लिए जागरूक किया जा रहा है। आइईसी के नोडल अधिकारी श्री मुकेश बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघप्रिय के निर्देशानुसार शहर में स्वच्छ ग्वालियर अंतर्गत नगर निगम ग्वालियर की सहयोगी संस्था म्यूज द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों में निवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने, घर में चार डस्टबिनों की व्यवस्था करने तथा कचरा केवल निर्धारित कचरा गाड़ी में ही डालने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही चिड़ियाघर पर लोगों को सिंगल यूस यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही डिवाईन संस्था द्वारा विभिन्न वर्डों में रहवासियों को गीला सूखा कचरा अलग अलग देने घर में 4 डस्टबीन रखने, कचरा केवल कचरा गाड़ी में ही डालने एवं होम कंपोस्टिंग के बारे में समझाया गया।

लोहिया बाजार में यातायात को बाधित कर रहे हाथ ठेलों को हटाया

ग्वालियर। नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा सुगम यातायात एवं नागरिकों की सुविधा के लिए निरंतर अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। मदाखलत अधिकारी श्री केशव सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त श्री सिंघप्रिय के निर्देशानुसार उपायुक्त सत्यपाल सिंह चौहान के निर्देशन में शहर में सुगम यातायात हो इसके लिए प्रतिदिन यातायात में बाधक अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत पूर्व विधानसभा अंतर्गत लोहिया बाजार में बीच सड़क पर लगे हाथ ठेले एवं फुटपाथियों को हटाया गया। इसके साथ ही दुकानों के बाहर रखा सामान हटवाया जाकर सामान जप्ती की कार्यवाही की गई। साथ ही दुकान संचालकों को सख्त हिदायत दी गई, कि निर्धारित सीमा के बाहर सामान रख कर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न किया जावे अन्यथा जुर्माने की कार्यवाही की जावेगी। उक्त कार्यवाही मदाखलत निरीक्षक श्री विशाल जाटव एवं मदाखलत मौजूद रहा।

संपादकीय

ट्रेड वॉर का द्वितीयक प्रभाव

इस साल की पहली तिमाही में अमेरिकी अर्थव्यवस्था 0.3 प्रतिशत सिकुड़ी। विशेषज्ञों के मुताबिक इसका कारण ट्रेड वॉर का द्वितीयक प्रभाव है। इसका प्राथमिक प्रभाव तो अगली तिमाहियों में देखने को मिलेगा। तब और बुरी खबरें आ सकती हैं। डॉनल्ड ट्रंप के छेड़े व्यापार युद्ध का पहला बड़ा झटका अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लगा है। 2025 की पहली तिमाही में अमेरिकी अर्थव्यवस्था 0.3 प्रतिशत सिकुड़ गई। विशेषज्ञों के मुताबिक इसका कारण ट्रेड वॉर का द्वितीयक प्रभाव है। इसका प्राथमिक प्रभाव तो अगली तिमाहियों में देखने को मिलेगा। द्वितीयक प्रभाव से मतलब है कि आयात शुल्क में भारी बढ़ोतरी की संभावना को देखते हुए कंपनियों ने जनवरी से ही आयात की मात्रा बढ़ा दी। उधर उपभोक्ताओं ने चीजों की किल्लत और महंगाई बढ़ने की आशंका में जरूरत से ज्यादा खरीदारियां की हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक पहली तिमाही में उपभोक्ता व्यय में 1.8 प्रतिशत का इजाफा हुआ। तो चूंकि निर्यात की तुलना में आयात बहुत तेजी से बढ़ा और उपभोक्ता खर्च में भी वृद्धि हुई, तो इसका असर जीडीपी के आंकड़ों में झलका है। यानी जहां आयात बढ़ने के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से जीडीपी वृद्धि दर घटी, वहीं उपभोक्ता खर्च बढ़ने से उसे सहारा मिला। लेकिन ये दोनों परिघटनाएं तात्कालिक हैं। बाजार पर टैरिफ का असर असल में आगे जाहिर होगा। इससे बढ़ती बेचैनी अमेजन जैसी बड़ी कंपनियों की प्रतिक्रिया में भी दिखने लगी है। नकारात्मक मूड के प्रभाव से वित्तीय बाजारों में पहले से ही भारी गिरावट आ चुकी है। अब ट्रंप ने इसकी जिम्मेदारी पूर्व बाइडेन प्रशासन पर डाल कर उसके राजनीतिक प्रभाव से बच निकलने का प्रयास किया है। बुधवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि 'अभी जो स्टॉक एक्सचेंज है, वह बाइडेन का है, मेरा नहीं।' ट्रंप ने दलील दी कि वे 20 जनवरी को सत्ता में आए और उनके फैसलों का असर होने में अभी समय लगेगा। उनका दावा है कि जब ये असर होगा, अमेरिका में सुख-समृद्धि लौट आएगी। मगर वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर गए कि शेयर और बॉन्ड बाजारों में गिरावट मुख्य रूप से 25 फरवरी के बाद शुरू हुई। उत्पादन और वितरण की अर्थव्यवस्था पर उसका क्या असर होगा, यह तो आने वाले महीनों में जाहिर होगा। इस मामले में ट्रंप के आकलन से अर्थशास्त्री सहमत नहीं हैं। दरअसल असलियत की पहली झलक पहली तिमाही के आंकड़ों से मिल गई है।

बाबागिरी का धंधा कभी न हो मंदा

(सुधाकर आशावादी -विभूति फीचर्स)

देश में बेरोज़गारी एक विकट समस्या है। इस समस्या को मुद्दा बनाकर सरकारें बदल दी जाती हैं, लेकिन समस्या जस की तस बनी रहती है। मजबूरी में बेरोज़गार स्वरोज़गार अपनाने की दिशा में अग्रसर हो रहे हैं। कुछ यू ट्यूब चैनल बनाकर अपने चेहरे के कई मुखौटे दिखा रहे हैं और कुछ अपने आप को सिद्ध पुरुष बताकर लोगों के चेहरे पढ़ रहे हैं तथा आम आदमी के मनोविज्ञान की व्याख्या कर रहे हैं। जिसमें जितना कौशल है, वह अपने कौशल का भरपूर लाभ उठा रहा है और अपने और अपने परिवार के पेट की भूख मिटा रहा है। यही जीवन का सच है कि परिवार चलाने के लिए लोग भूल जाते हैं छकड़ी, उसे केवल याद रहती है नून, तेल लकड़ी। अब ऐसे ही किसी धंधे की चर्चा करें, जो बारह महीने चलता है। कभी मंदा नही पड़ता। हींग लगे न फिटकरी सिर्फ नाटक का है खेल, जब बाबागिरी का धंधा चले, अन्य धंधे सब फेल, यह उक्ति यूँ ही नहीं बनी है। यह उनके लिए बनी है, जिन्हें लोगों को भ्रमित करने की कला आती है। जिनकी कला के मायाजाल में फंसकर व्यक्ति अपने घर परिवार का मोह छोड़कर उन्हीं की शरण में चला जाता है। महिलाएं अपने पति और बच्चों का मोह छोड़कर उनके आँगन में सफाई करने को प्राथमिकता देने लगती हैं। बाबा ऐसा शब्द है, जिसका स्मरण करते ही धीर गम्भीर एवं अनुभवी चेहरा आँखों में उभर आता है। परिवार के मुखिया को भी बाबा की संज्ञा दी जाती है और सत्संग में प्रवचन करने वाले को भी। आजकल बाबा न पांच सितारा होटल की तरह विलासिता पूर्ण सुख सुविधाओं से सुसज्जित आश्रमों में निवास करने लगे हैं तथा लग्जरी वाहनों के काफिले संग चलने लगे हैं। बाबाओं के ठाठ बाट देखकर बाबा बनने की ओर भला कौन नही बढ़ना चाहेगा । सो यह धंधा आजकल अधिक डिमांड में है। इसके लिए बाबा को आडम्बर रचाना पड़ता है। गेरुआ वस्त्र धारण करना और लम्बी दाढ़ी बढ़ाना अब बाबा के ड्रेस कोड का हिस्सा नहीं रहा । बाबा सफ़ारी सूट या शर्ट पैंट या किसी भी प्रकार के परिधान धारण करने के लिए स्वतंत्र हैं। इतना अवश्य है कि झूठ और चमत्कार की अफ़वाह फैलाकर बाबा को मनोकामना पूर्ण करने वाला चमत्कारी पुरुष दर्शाना पड़ता है। कभी हाथ में सुदर्शन चक्र की तरह का चक्र दिखाना पड़ता है। कभी बाबा की चरण रज में असाध्य रोग दूर करने की शक्ति का बोध कराना पड़ता है। ऐसे में बाबा के दिहाड़ी पर रखे गए चेलों की ख़ास भूमिका होती है। यही चेले बाबा के चमत्कारों का महिमा मंडन करते हैं। इसके अतिरिक्त भी कुछ अन्य नुस्खे आजमाने पड़ते हैं, तब कहीं एक अदद बाबा का निर्माण होता है। नित नए बाबाओं के क़िस्से प्रकाश में आते हैं, लेकिन बाबाओं के मायाजाल की कहानियाँ उस समय अधिक विस्तार पाती हैं, जब किसी बाबा के प्रवचन में कोई घटना दुर्घटना हो जाए।

किसी बाबा के चरित्र पर उंगली उठाई जाए, बाबा के फर्जी चमत्कारों की पोल खोली जाए, अन्यथा जब तक बाबा पर कोई आरोप न लगे, बाबा के प्रवचन के बाद अंध भीड़ बाबा की चरण रज लेने की चाह में बाबा के अन्य भक्तों के पैरों तले न रौंदी जाए, तब तक बाबा का राज खुलता ही नही। जब तक बाबा का राज पाश न हो, तब तक बाबा के वैभव में कोई कमी नहीं आती। एक छिपा रहस्य यह भी है, कि बाबा अपने बारे में अधिक नही बोलता, बाबा की महिमा का बखान कुछ विशेष भक्त करते हैं। बाबा केवल गारंटी देता है, बाबा गारंटी कार्ड नहीं बाँटता, बाबा स्वयं को परमात्मा का रूप बताता है। ऐसा कहकर वह झूठ नहीं बोलता, क्योंकि संसार में सभी स्वयं को परमात्मा का अंश कहते हैं। बाबा चमत्कार करने का दिखावा करता है। बाबा के आश्रम में जमीन से पानी निकालने वाले नल जल नही, अपितु औषधि युक्त अमृत उगलते हैं। यह बाबा नहीं कहता, उसके भक्त कहते हैं। बाबा के चमत्कारों का बखान बाबा की विश्वसनीयता में चार चाँद लगाना है। बाबा बनना इतना आसान भी नहीं है, जितना समझा जाता है। एक लम्बी साधना धैर्य एवं सोची समझी योजना से ही बाबा रूपी आकर्षण उत्पन्न किया जा सकता है। विश्वासपात्र शिष्यों का बाबा को बाबा बनाने में महत्वपूर्ण योगदान अपेक्षित होता है। बाबा बनने के अचूक नुस्खों का अध्ययन करें, तो सर्वप्रथम बाबा में वाकपटुता का गुण होना आवश्यक है, कि सामने वाले की जिज्ञासाओं को कैसे शांत करना है, फिर उसे ऐसे चमत्कार दिखाने जरूरी हैं कि उसमें किसी दैवीय शक्ति का वास है। जिससे वह किसी की पीड़ा हर सकता है। उसे अभय मुद्रा में रहने का अभ्यास हो, ताकि वह अधिक समय तक भक्तों को आशीर्वाद देता रहे। उसे बार बार गारंटी देने की आदत होनी चाहिए। उसकी गारंटी भले ही यथार्थ में झूठी निकलें, लेकिन उसके भक्त उन गारंटियों के सही सिद्ध होने का प्रचार निरंतर करते रहें, क्योंकि सौ बार बोला जाने वाला झूठ भी सत्य प्रतीत होने लगता है। जब अफवाहें फैलाकर शीर्ष सत्ता की ओर कदम बढ़ाए जा सकते हैं, तो फर्जी गारंटी और चमत्कारों की अफवाह फैलाकर बाबागिरी के धंधे में सफल क्यों नहीं हुआ जा सकता।

शब्द सामर्थ्य -042

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुस्सबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 041 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

सेना,सरकार और नागरिक सहयोग से ही संभव है आतंक का मुकाबला

(विवेक रंजन श्रीवास्तव-विनायक फीचर्स)

भारत ने हाल ही में पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत सटीक मिसाइल हमलों से पकिस्तान के कश्मीर में किए आतंक का बेहतरीन बदला लिया। यह कार्रवाई न केवल भारतीय सेना की सैन्य कुशलता का प्रतीक है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ देश की स्पष्ट नीति को भी दर्शाती है। प्रगट रूप से यह ऑपरेशन एक सैन्य कार्यवाही है। किंतु आतंक के विरुद्ध इस तरह के आपरेशन सफल तभी होते हैं जब सेना, सरकार और नागरिकों के बीच समन्वय का एक सशक्त ढाँचा मौजूद हो। आतंकवाद से लड़ाई केवल बंदूकों और मिसाइलों से नहीं, बल्कि राष्ट्र के नागरिकों की सजगता, सहयोग और राष्ट्रभक्ति से भी जीती जाती है।

सीमाओं का कवच

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों के माध्यम से यह साबित किया है कि वह भारत पर किसी आक्रमण या आतंकी घटनाओं का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। सेना की यह ताकत केवल हथियारों की ताकत नहीं, बल्कि उच्चस्तरीय रणनीति, खुफिया जानकारी और साहस का परिणाम है। सेना के जवान सीमाओं पर दिन-रात तैनात रहकर देश की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 के बालाकोट एयरस्ट्राइक जैसे ऑपरेशन इसके उदाहरण हैं, जिन्होंने आतंकवाद के प्रति भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को रेखांकित किया। ऑपरेशन सिंदूर देश की उसी नीति का हिस्सा है।

सरकार का दायित्व

नीति निर्माण से लेकर वैश्विक कूटनीति और सेना को छूट देना सरकार का दायित्व है । सेना को राजनीतिक और तकनीकी समर्थन जनता की ताकत और एकजुटता ही प्रदान करती है। ऑपरेशन सिंदूर जैसे मिशन के पीछे सरकार की मंशा, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान को अलग-थलग करने की कोशिशें और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक गठजोड़ बनाने की रणनीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

नागरिकों की जिम्मेदारी

नागरिक सहयोग सुरक्षा का तीसरा स्तंभ है। यदि सेना और सरकार देश की रीढ़ हैं, तो नागरिक उसकी आत्मा। आतंकवाद से लड़ाई में नागरिकों की भूमिका कई स्तरों पर महत्वपूर्ण है । सूचना और खुफिया सहयोग स्थानीय निवासी ही दे सकते हैं। सूक्ष्म निरीक्षण तथा सतर्क रहने से आतंकियों की गतिविधियों के बारे में नागरिकों को जमीनी जानकारी हो सकती है। उदाहरण के लिए, जम्मू-कश्मीर में कई बार ग्रामीणों ने सुरक्षा बलों को आतंकवादियों के ठिकानों की जानकारी देकर बड़ी घटनाओं को रोका है। 'आवाम की आवाज' जैसे अभियान इसी सहयोग को बढ़ावा देते हैं। सामाजिक जागरूकता और एकता आतंकवाद की सबसे बड़ी हार है। 2008 के मुंबई हमले के बाद देशभर में एकजुटता का जो स्वर उभरा, उसने आतंकवादियों के मनोबल को तोडा।

कविता

ये भारत की भूमि है

(आर . सूर्य कुमारी -विनायक फीचर्स)

भारत भूमि के ---
पग - पग पर ---
सदा बसा रहता ---
धर्म का सार है ।
जन - जन के हृद - हृदय में
उठता रहता सदा
देश - भक्ति का
उन्नत ज्वार है ।

जाग उठा भारत
का कोना-कोना ,
बजते गलियों में
वीणा के तार हैं ।
श्री राम चन्द्र की
कृपा है लोगों ,
हर दिशा में छिड़ गया
एकता का मधुर सितार है ।

सांगा - महाराणा की ---
पावन भूमि पर ---
गूंज रही मानवता की ---
ऊंची पुकार है ।
शिवाजी - गुरु गोविंद की ---
जिह्वा पर आज ---
भारत रक्षा हेतु ---
गूंजती तेज हुंकार है ।

लक्ष्मीबाई - दुर्गावती
के खड़ग पर
जाग उठाने का
झंकृत करता झंकार है ।
धर्महीनों के क्षुद्र
निम्न कारनामों पर
शक्ति - महाशक्ति का
जोरदार प्रहार है ।
कायरता पसरती
जिसके मन में है ,
वह भलों - निर्दोषों पर
करता जघन्य वार है ।
निकल पड़ा धर्मियों का
एक बड़ा बेड़ा आज
हनुमान जी की आई
चारों ओर बहार है।

सज्जन की गलियों में ---
गूंजता है आज ---
सर्व धर्म समभाव का ---
मीठा - मीठा राग है ।
महाब्रह्मांड के ---
ओर छोर तक ---
वसुधैव कुटुंबकम् का ---
प्यारा सा अंदाज है ।

राशिफल

मेष
आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज लंबे समय से चल रही किसी समस्या से आज आपको निजात मिलेगी और आपकी चतुराई और योग्यता की सराहना होगी। आज आपको शुभ सूचना मिलने वाली है। आज आपको लाभ प्राप्ति के साथ-साथ उत्साह और ऊर्जा भी महसूस होगा। आज अपनी पर्सनल बात किसी के साथ डिस्कस करने से बचेंगे तो आप किसी बड़ी परेशानी से बच जायेंगे। व्यापार में आपको अपने सहयोगियों की हेल्प मिलेगी, ज्यादा से ज्यादा लाभ होगा।

वृषभ
आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज दिन भर भागा-दौड़ी की स्थिति रहेगी लेकिन कार्य भी सुचारु रूप से बनते जाएंगे। सिर्फ सूझबूझ और व्यवहार कुशलता से अपने कार्यों के प्रति व्यस्त रहें। आज व्यस्ततम दिनचर्या रहेगी लेकिन आप अपने कार्यों को सहज ही पूरा कर लेंगे। वर्तमान परिवेश में आपने जो नई नीतियां बनाई है, इस वजह से आपकी काफी समस्याएं हल होंगी। इस समय बीमा अथवा निवेश संबंधी प्लान कर रहे हैं, तो वह आपके लिए शुभ फलदायी रहेगी। आज किसी काम में बड़ों की सलाह मिलेगी, जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मिथुन
आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है आज आप कुछ समय प्रकृति के बीच बिताएंगे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज आपको किसी कार्य को लेकर की गई मेहनत का अनुकूल परिणाम मिलने वाला है। घर में धार्मिक कार्य संपन्न हो सकता है। किसी भी नए निवेश के बारे में प्लान करें आपको अच्छा लाभ हो सकता है। घर में किसी नन्हे मेहमान के आगमन संबंधी शुभ समाचार मिलने से उत्सव का माहौल रहेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से किए गए काम में आपको सफलता मिलेगी। आज के दिन आप दूसरों से अपना काम निकलवाने में सक्षम रहेंगे।

कर्क
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी समारोह में शामिल होंगे आपकी उपस्थिति को महत्व मिलेगा। पुरानी परेशानियों से राहत मिल सकती है। आज आत्मविश्वास और ऊर्जा से अपने काम में लग जाएंगे। अपने भविष्य को लेकर ज्यादा सक्रिय और गंभीर रहेंगे। प्रयास करने पर कहीं फंसा हुआ पैसा वापस मिल सकता है। कुरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज फायदा मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोगों का आज समाज में दबदबा बना रहेगा। इस राशि की महिलाएं अपना बिजनेस स्टार्ट कर सकती है।

सिंह
आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज व्यवसाय में बहुत अधिक जिम्मेदारियां और काम का बोझ रहेगा। आलस ना करके पूरे मनोयोग से काम करें, परिणाम भी बेहतर होंगे। कार्यस्थल पर गंभीरता और ईमानदारी से अपने प्रोजेक्ट को अंजाम दें, इस समय आपकी तरक्की के भी योग बन रहे हैं। आज घर में सुख-शांति भरा माहौल रहेगा। आज किसी भी अनजान व्यक्ति पर ज्यादा विश्वास न करें। माता जी आपसे कुछ फरमाइश कर सकती है जिसको पूरा करने पर वह खुश होंगी। छात्रों का मन आज पढ़ाई में लगेगा।

कन्या
आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने बड़े भाई से प्रोपर्टी से रिलेटेड बात करेंगे और फाइनेंस संबंधित कुछ योजनाएं बनेगी। अगर कानूनी समस्या चल रही है तो आज उसका समाधान मिल सकता है। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति अथवा राजनीतिज्ञ के साथ मुलाकात का अवसर मिलेगा। छात्रों को किसी प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम अनुकूल मिलेगा। आज आपका किसी इंटरव्यू में सिलेक्शन होगा अच्छी जॉब मिलेगी। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहने वाला है। व्यापार संबंधी यात्रा के योग बने हुए हैं।

तुला
आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप करीबी व्यक्ति के बारे में गहराई से विचार करके रिश्ता सुधारेंगे। आज आपको बड़ी उपलब्धि हासिल होगी। आज आपका व्यापारिक दृष्टिकोण हर परिस्थिति में सामंजस्य बनाए रखने में मदद करेगा। अगर सरकारी अथवा कोर्ट संबंधी मामला अटका हुआ है तो आज उसमें सफलता मिलने की उचित संभावना है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपको सफलता मिलेगा। आप अपने दोस्तों के साथ किसी ट्रिप पर जाने का प्लान बनाएंगे। शिक्षकों की मेहनत और लगन को देखकर लोगों के बीच सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी भी नकारात्मक स्थिति में घबराने की बजाय उसका समाधान ढूंढे तो जल्दी ही हल भी मिलेगा। वाहन अथवा किसी महंगे उपकरण के खराब होने से बड़ा खर्चा सामने आएगा। विद्यार्थियों को अपनी सोच में और अधिक सकारात्मकता लाने की जरूरत है। आज आपका रुका काम पूरा होने से मानसिक शांति मिलेगी। आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। आज भाई बहन के बीच में चल रही अनबन खत्म हो जाएगी, आपसी रिश्ता मजबूत बनेगा।

धनु
आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। आज का दिन पारिवारिक सुख-शांति में वृद्धि लेकर आएगा। पारिवारिक मामला आपकी सूझबूझ से हल हो जाएगी। आपकी कार्यकुशलता और योग्यता की सराहना होगी। आज अपने करियर और पढ़ाई को लेकर सजग रहेंगे। इस राशि के जो लोग बड़ी कंपनियों में काम करते हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद खास है। जीवन में चल रही परेशानियां जल्द ही दूर होंगी।

मकर
आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी कठिन परिस्थितियों में आपका परिवार आपकी ढाल बनकर सामने रहेगा, इससे आपको साहस मिलेगा। आज का दिन पारिवारिक सुखों में वृद्धि लेकर आएगा। यदि किसी वजह से उलझन बनी हुई थी, तो आज उसका निवारण हो जाएगा। युवाओं को अपनी नौकरी से संबंधित किसी क्षेत्र में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। लवमेट को उपहार मिल सकता है। स्वास्थ्य से रिलेटेड परेशानी आज दूर होगी, आप एनर्जेटिक रहेंगे।

कुंभ
आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज प्रोजेक्ट कार्य में आपको अपने जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपका कार्य करने का और सफलता हासिल करने का जुनून आपको कामयाबी देगा। बिजनेस की रुकावटें दूर होंगी। इंश्योरेंस और कमीशन के बिजनेस में विशेष सफलता मिलेगी । नौकरी कर रहे लोगों को मनचाहे प्रोजेक्ट पर कार्य करना पड़ेगा। आपके बेटे का अच्छी जगह चयन होने से परिवार में उत्सव का माहौल बनेगा। प्रॉपर्टी से जुड़ा कार्य आगे बढ़ेगा। दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा, एक-दूसरे को बेहतर समझेंगे।

मीन
आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज किसी पॉलिसी में निवेश करने की योजना बन रही है, तो दिन शुभ है। ये निवेश आने वाले दिनों में बेहतर फायदा देने वाला रहेगा। आज मेहमान नवाजी में भी समय बीतेगा। और घर में आए लोगों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दे पर विचार विमर्श भी होगा। इस राशि के जो लोग किसी बिजनेस से जुड़े हैं उनके लिए आज लाभ का दिन है। आपको किसी करीबी रिश्तेदार से मिलने का अवसर मिलेगा। परिवार में खुशी का माहौल बनेगा।

आपरेशन सिंदूर का दूसरा चरण, पाकिस्तानी वायु रक्षा प्रणाली ध्वस्त

(मनोज कुमार अग्रवाल-विनायक फीचर्स)

पहलगाम हमले के बाद देशवासियों को जिस कार्रवाई का इंतजार था, आखिरकार देश के जांबाज जवानों ने उसको अंजाम दे ही दिया। भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले की साजिश रचने वाले आतंकवादी समूहों और इसके आका पाकिस्तान पर ऐसा प्रहार किया है, जिसको वह कभी भी भूल नहीं पायेंगे। वहीं आपरेशन सिंदूर के दूसरे दिन समूचा पाकिस्तान धमाकों से दहल उठा है। पाकिस्तान में सीरियल ब्लास्ट हो रहे हैं। पाक के 10 शहरों में 15 से ज्यादा धमाके हुए हैं। लाहौर, कराची, रावलपिंडी, बहावलपुर, गुजरांवाला में ब्लास्ट हुए हैं। पाकिस्तान के उमरकोट में धमाका हुआ। रावलपिंडी में भी धमाके की खबर सामने आयी है। न्यूज चैनलों के अनुसार रावल पिंडी का क्रिकेट स्टेडियम भी तबाह हो गया है। बहावलपुर में भी लगातार दूसरे दिन धमाके हुए हैं पाकिस्तानी सेना ने 9 धमाकों की पुष्टि की है। पाकिस्तान के लाहौर में आर्मी कैंट इलाके में धमाका हुआ है। लाहौर में ड्रोन हमले से भारी नुकसान हुआ है। ड्रोन हमले के बाद आर्मी कैंट इलाके में आग लगी है। लाहौर में नौसेना कैंप पर भी ड्रोन अटैक हुआ है। धमाकों में नौसेना कैंप को भारी नुकसान हुआ है।

रावलपिंडी में पाक एयरफोर्स के बेस पर ड्रोन अटैक हुआ है। एक साथ कई ड्रोन से हमला किया गया है। पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया है। हमले में एयरफोर्स को भारी नुकसान की खबर सामने आयी है। लाहौर में एक के बाद एक लगातार 3 धमाके हुए है। धमाकों से लाहौर में अफरा-तफरी मच गई है। शहर में दहशत का माहौल बन गया है। भयभीत लोग सड़कों पर आ गए है। लाहौर ओल्ड एयरपोर्ट के पास ये ब्लास्ट हुआ है। वाल्टन रोड, गोपाल नगर में भी धमाके की खबर है। वाल्टन एयरपोर्ट के पास ड्रोन धमाका हुआ है। एक चश्मदीद ने मिसाइल अटैक का दावा किया है। धमाकों के बाद आसमान में धुएं का गुबार दिखा, जिसे देख लोगों में अफरा तफरा मच गई। अभी इन धमाकों की जिम्मेदारी किसी संगठन ने नहीं ली है।

ताज़ा अपडेट के मुताबिक आज भारत ने आपरेशन सिंदूर के दूसरे चरण की शुरुआत कर दी है। भारत के पंद्रह शहरों पर पाकिस्तान ने मिसाइल हमले की कोशिश की जिसे भारत के डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। पाकिस्तान के लाहौर में एअर डिफेंस सिस्टम को निष्क्रिय कर दिया।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के ठीक दो हफ्ते बाद ऑपरेशन सिंदूर में भारत की तरफ से दागी गई मिसाइ?लों ने पाकिस्तान समर्थित नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया है। इनमें जैश ए मोहम्मद के सरगना मौलाना मसूद अजहर का बहावलपुर में स्थित सुभान अल्लाह मरकज भी शामिल है। भारत की कड़ी कार्रवाई के बाद पाकिस्तान में खौफ और खलबली मच गयी है। पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों की इमरजेंसी मीटिंग्स हो रही हैं।

दूसरी तरफ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद हमारे देश में जश्न का माहौल है, क्योंकि देशवासी यही चाहते थे कि आतंकियों पर ऐसा प्रहार हो, जो उनको मरने तक याद रहे। साथ ही उन परिवारों के जख्मों पर मरहम लगा है जिन्होंने पहलगाम हमले में अपनों को खोया है। विशेषकर उन महिलाओं को जिन्होंने अपने पति को खोया है। पहलगाम हमले का मकसद कश्मीर घाटी में दहशत फैलाना था। आतंकियों ने महिलाओं के सामने उनके पतियों के सिर में गोली मारी थी। ये बहुत गहरे जख्म हैं, जिन्हें वो महिलाएं कभी नहीं भुला पाएंगी, जिन्होंने अपना सुहाग इस हमले में खो दिया। ऐसे में जब भारत ने इन आतंकियों को जवाब दिया, तो ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखा। ऑपरेशन सिंदूर से बेहतर नाम इस हमले का शायद हो ही नहीं सकता था। यह ऑपरेशन उस सिंदूर का बदला है, जो बैसरन घाटी में सुहागनों के माथे से पोंछ दिया गया और उनकी मांग सूनी कर दी गई थी। इसके अलावा सशस्त्र सेना की दो महिला अधिकारियों के जरिए ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी प्रस्तुत कर यह संदेश दे दिया गया है कि भारतीय सेना किस तरह मजबूत और आत्मनिर्भर है। यह सरकार का पाकिस्तानी अधिकारियों को बहुत बड़ा जवाब है। नारी शक्ति के प्रदर्शन से जहां भारत ने अपने देश की समृद्धि का प्रदर्शन किया है, वहीं पाकिस्तान को यह भी बताया है कि भारत से टक्कर मत लो, क्योंकि यहां हथियार उठाने में सिर्फ मर्द नहीं बल्कि औरतें भी उतनी ही मजबूत हैं। नारी शक्ति के जरिए भारत ने पाकिस्तान को एक तरह से आईना भी दिखाया है कि उनके देश में जहां महिलाएं आज भी बुर्के में कैद हैं, वहीं भारतीय महिलाएं देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। सबसे बड़ी बात है कि भारत ने पाकिस्तान के किसी भी सैन्य ठिकाने या आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया है। सेना द्वारा दी गई ब्रीफिंग में यह स्पष्ट कहा गया है कि भारतीय सेना ने सिर्फ और सिर्फ उन अड्डों को निशाना बनाया है, जहां आतंकी थे और जहां कसाब और उसके जैसे अन्य आतंकियों को ट्रेनिंग दी जाती थी। भारतीय सेना ने यह जानकारी दी है कि स्ट्राइक में 100 से अधिक आतंकी मारे गए हैं और उनके ट्रेनिंग कैंप पूरी तरह तबाह हो गए हैं। आतंकी मसूद अजहर के परिवार के 14 लोग मारे गए हैं। सोशल मीडिया में जो वीडियो सामने आ रहे हैं, उसमें यह दिख रहा है कि आतंकियों के जनाजे में पाकिस्तानी सेना के अधिकारी भी शामिल हो रहे हैं। इन वीडियो से यह साफ होता है कि आतंकवाद से पाकिस्तान का कितना करीबी नाता रहा है, भले ही पाकिस्तान इस बात से इनकार करता रहा हो। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत को एक तकनीकी रूप से उन्नत और सैन्य रूप से सक्षम राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत किया है। वैश्विक समुदाय, विशेष रूप से अमेरिका, रूस और इजरायल ने भारत के मिसाइलों की सटीकता की प्रशंसा की है। ऑपरेशन ने पाकिस्तान की चीन प्रायोजित वायु रक्षा प्रणालियों को भेदकर भारत की तकनीकी श्रेष्ठता को प्रदर्शित किया। यह चीन-पाकिस्तान गठजोड़ के लिए एक चेतावनी थी कि भारत क्षेत्रीय चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है। सभी मिसाइलों ने अपने सटीक निशानों को भेदा, जो भारतीय तकनीक और रक्षा प्रणाली के शानदार प्रदर्शन का प्रमाण है। उनत मिसाइलों, स्पाइस-2000, निर्भय, पुख्ता खुफिया जानकारी और तीनों सेनाओं के संयुक्त समन्वय ने नौ आतंकी ठिकानों को 25 मिनट में नष्ट कर दिया। इस सफलता ने भारत की स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी, आत्मनिर्भरता और वैश्विक मंच पर सैन्य क्षमता को प्रदर्शित किया। देखा जाए तो भारत ने पहलगाम हमले के बाद से ही उचित और कल्पना से परे जवाब देने की ठान रखी थी। लेकिन, दुनिया फिर भी %संयम बरतने% वाला कूटनीतिक ज्ञान देने से पीछे नहीं हट रही थी। लेकिन सेना को खुली छूट मिलने के बाद सेना ने ऐसे ऑपरेशन को अंजाम दिया है, जिसको देखकर पूरी दुनिया आश्चर्यचकित है। बहादुर भारतीय सैनिकों ने एक ही साथ नौ स्थानों पर 21 आतंकी ठिकानों को तबाह कर डाला है। इससे पूरा देश संतुष्ट है, उत्साह में है, या यूं कहें कि राष्ट्र गौरव से भर उठा है। वास्तव में आज भारतीय सेनाओं की आतंकवाद के विरोध में की गई यह संयुक्त कार्रवाई प्रत्येक भारत वासियों को आत्म गौरव से भर रही है। वैसे भी पराक्रम का स्वभाव ही है कि यह उत्साह से भर देता है। इसके साथ ही भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर सर्जिकल स्ट्राइक' पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी प्रतिक्रिया दी है। इससे पहले रूस का भारत को समर्थन देना हो या यूरोपियन देशों समेत कई मुस्लिम देशों से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष भारत को साथ मिलना हो, यह सभी कदम पूरी तरह से भारत के पक्ष में जाते हैं। दूसरी ओर पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने पुष्टि की है, कि भारत ने मुजफ्फराबाद, कोटली और बहावलपुर में हमले किए हैं। जब एक दिन पहले यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल (यूएनएससी) में पाकिस्तान से पूछा जा रहा था कि क्या पहलगाम अटैक में लश्कर-ए-तैयबा शामिल था ? तब इस प्रश्न का कोई जवाब पाकिस्तान नहीं दे पाया था। दूसरे ही दिन भारत ने इसका उत्तर आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइलें दाग कर दे दिया। यदि अब भी पाकिस्तान इस्लाम के नाम पर जिहाद और आतंकवाद को भारत के विरोध में इस्तेमाल करता है, तो भारत की कार्रवाई से आप यही मान सकते हैं कि आगे भारत आतंक के विरोध में बहुत बड़ा कदम उठाएगा। भारत ने बता दिया है कि अब यह नया भारत है, तो आतंकियों और आतंकवाद को अपने ही बलबूते समूल नष्ट करने की सामर्थ्य रखता है।

ग्रामीण विकास योजनाओं समीक्षा बैठक संपन्न

रीवा,कासं.। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बैठक में निर्देश दिये कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना में स्वीकृत कार्यों के उपयोगिता प्रमाण पत्र शीघ्र प्रेषित करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत खेत तालाब निर्माण की तकनीकी एवं प्रशासकीय स्वीकृति आगामी दो दिवस में जारी करते हुए कार्य प्रारंभ करायें तथा पूर्ण कार्यों के पूर्णता प्रमाण पत्र पोर्टल में अपलोड करें। वृक्षारोपण के लिए स्थल का चयन कर सभी पूर्व तैयारियाँ सुनिश्चित करायें। समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत आवास सर्वे, जियो टैग, आवास पूर्णतः एवं मजदूरी का भुगतान समय सीमा में किये जाने के निर्देश दिये गये। आवास की समग्र सीडिंग एक सप्ताह में कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत ई-रिक्शा के माध्यम से कचरा संग्रहण किये जाने के निर्देश सीईओ द्वारा दिये गये। उन्होंने बैठक में कहा कि जो नल जल योजनाएं पंचायतों को हस्तांतरित की जा चुकी हैं। उनसे टैक्स वसूली की कार्यवाही की जाय। बैठक में बिना सूचना के अनुपस्थित रहने वाले उप यंत्री अशोक शुक्ला, शिवेन्द्र मोहन तिवारी, दीपक शर्मा, जयशंकर पटेल, वैभव मिश्रा, सुरेन्द्र मिश्रा, संदीप, हर्षित पाण्डेय तथा डीके मिश्रा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। इस दौरान जनपद पंचायातों की सीईओ, सहायक यंत्री, उप यंत्री अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी सहित ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत 10 मई को, प्रचार रथ रवाना

रीवा,कासं.। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में आगामी 10 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु प्रचार रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। अवसर पर विशेष न्यायाधीश डॉ. श्रीमती अंजली पारे, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री पन्ना नागेश जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री अभय कुमार मिश्रा, श्री सुरेन्द्र सिंह, श्री मंजूर अहमद मंसूरी, आनंद पाण्डेय, अनीश पाण्डेय, आरती तिवारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी एवं पैरालीगल वालेटियर श्री रमेश कुशवाहा उपस्थित रहे।

पात्र हितग्राहियों के ईकेवायसी से शेष अपात्र सदस्यों का पोर्टल से विलोपन की कार्यवाही करें : कलेक्टर

रीवा,कासं.। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित उचित मूल्य दुकानों से खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों को हर माह निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न दिया जा रहा है। शासन द्वारा 15 मई से स्मार्ट खाद्यान्न वितरण व्यवस्था लागू की जा रही है।

इस व्यवस्था का लाभ लेने के लिए प्रत्येक राशन कार्ड में दर्ज हितग्राही का ई केवाईसी होना अनिवार्य है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सभी राशन कार्डधारियों से अपील करते हुए कहा है कि इस माह का खाद्यान्न लेने के लिए उचित मूल्य दुकान जाने पर सभी सदस्यों का ई केवाईसी करा लें। ई केवाईसी न कराने पर यह माना जाएगा कि राशन कार्ड में दर्ज सदस्य वर्तमान में दर्ज पते पर नहीं रह रहा है। इसे स्थाई पलायन मानते हुए उसका नाम राशन कार्ड से पृथक किया जाएगा। ई केवाईसी न कराने पर मई माह के बाद खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ नहीं मिलेगा। उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए ई केवाईसी तत्काल करा लें। इसके लिए उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन से संपर्क करके पीओएस मशीन के माध्यम से पूरी जानकारी एम राशन मित्र पोर्टल पर दर्ज करें। कलेक्टर ने एसडीएम जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, जिला आपूर्ति अधिकारी तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को ई केवाईसी से शेष अपात्र सदस्यों का पोर्टल से नाम 15 मई तक विलोपित करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर ने कहा है कि जो व्यक्ति उचित मूल्य दुकान में आकर पूरी जानकारी प्रस्तुत कर दे उसका ई केवाईसी तत्काल कर दें। खाद्यान्न वितरण के बाद उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन अन्य कर्मचारियों के साथ शिविर लगाकर शेष बचे हितग्राहियों की ई केवाईसी कराएं। उचित मूल्य दुकानवार सूची उपलब्ध करा दी गई है। नियत समय तक कार्यवाही पूर्ण न होने पर सीईओ व सीएमओ के वेतन आहरण पर आगामी आदेश तक रोक लगाई गई है।

मिट्टी के पोषक तत्व और गुण बताता है मृदा स्वास्थ्य कार्ड

रीवा,कासं.। भारत सरकार द्वारा स्वाइल हेल्थ कार्ड यानी मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत किसान सिंचित क्षेत्र में 2.5 एकड़ तथा अंसिचित क्षेत्र में 10 एकड़ क्षेत्र से मिट्टी का नमूना लेकर उसकी जाँच कराते हैं। यह जाँच कृषि विभाग द्वारा की जाती है।

कृषि विभाग द्वारा मिट्टी के नमूने लिए जाने पर इसकी जाँच पूरी तरह से निःशुल्क रहती है। यदि किसान स्वयं सेंपल लेकर जाता है तो मिट्टी के नमूने की जाँच के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जाति के किसान को तीन रुपए तथा सामान्य वर्ग के किसान को पाँच रुपए प्रति नमूना शुल्क देना होता है। मिट्टी में माइक्रो न्यूट्रेंट की जाँच कराने के लिए अनुसूचित जाति और जनजाति के किसानों को 30 रुपए तथा सामान्य वर्ग के किसानों को 40 रुपए शुल्क देना होता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड से किसान को उसके खेती की मिट्टी के गुणों तथा पोषक तत्वों की जानकारी मिलती है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि मिट्टी के पोषक तत्व के आधार पर किसान को उचित फसल की सलाह दी जाती है। मिट्टी में यदि पोषक तत्व की कमी है तो उसके अनुरूप उर्वरक के उपयोग का सुझाव दिया जाता है।

मृदा स्वास्थ्य कार्ड किसान के खेत की मिट्टी का रिपोर्ट कार्ड है। इस कार्ड में किसान का नाम, सर्वे नम्बर, खेत का रकबा आदि लिखा रहता है। प्रत्येक तीन साल में मिट्टी की जाँच कराकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड में दर्ज कराना आवश्यक है। हर किसान अपने प्रत्येक खेत की मिट्टी की जाँच कराकर मृदा स्वास्थ्य कार्ड अवश्य बनवाएं।

आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना से डेयरी व्यवसाय का सुनहरा अवसर

रीवा,कासं.। पशुपालन विभाग द्वारा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना लागू की गई है। इस योजना में 75 प्रतिशत राशि बैंक ऋण के माध्यम से दी जाती है। शेष 25 प्रतिशत राशि हितग्राही को अंशदान के रूप में देनी होती है। योजना में 7 वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज की प्रतिपूर्ति अनुदान का भी लाभ दिया जाता है। इस संबंध में उप संचालक डॉ राजेश मिश्रा ने बताया कि योजना के लिए पशुपालक के पास कम से कम 5 पशु और एक एकड़ कृषि भूमि होना आवश्यक है। पशुओं की संख्या में वृद्धि होने पर उसी के अनुपात में कृषि भूमि का निर्धारण किया जाता है। योजना की एक इकाई में 5 भैंस होने पर 4 लाख 25 हजार रुपए तथा 5 शंकर नस्ल की गाय होने पर 3 लाख 82 हजार रुपए एवं देशी गाय होने पर 2 लाख 43 हजार 750 रुपए इकाई लागत निर्धारित की गई है। 10 दुधारू पशुओं के होने पर 10 भैंसों में 8 लाख 40 हजार, शंकर गाय के लिए 7 लाख 51 हजार रुपए तथा 10 देशी गाय के लिए 4 लाख 75 हजार रुपए इकाई लागत निर्धारित की गई है। इस योजना में सामान्य वर्ग के पशुपालक को परियोजना लागत का 25 प्रतिशत अधिकतम एक लाख 25 हजार रुपए मार्जिन मनी सहायता के रूप में दिया जाता है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के हितग्राही को परियोजना लागत का 33 प्रतिशत अधिकतम 2 लाख रुपए मार्जिन मनी के रूप में दिया जाता है। पशुपालन विभाग के माध्यम से प्रकरण बैंकों में भेजे जाते हैं। बैंक से प्रकरण स्वीकृत होने के बाद हितग्राही को इकाई लागत की राशि प्रदान की जाती है। इस योजना में इकाई लागत की 75 प्रतिशत राशि पर बैंक की कुल ऋण राशि में 5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज अनुदान दिया जाता है। इसकी राशि अधिकतम 25 हजार रुपए प्रतिवर्ष निर्धारित है। जिले में कई पशुपालक इस योजना से सफलतापूर्वक डेयरी इकाई संचालित कर रहे हैं।

हनुमना में शासकीय महाविद्यालय के लिये जमीन आवंटित

रीवा,कासं.। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने शासकीय महाविद्यालय हनुमना के लिये जमीन का आवंटन आदेश जारी कर दिया है। ग्राम हनुमना की भूमि नं. 85/1 कुल रकबा 5.4670 में से अंश रकबा 3.0 हेक्टेयर भूमि शासकीय महाविद्यालय हनुमना के लिये आवंटित कर दी गई है। कलेक्टर ने तहसीलदार हनुमना को निर्देश दिये हैं कि आवंटित भूमि का अधिपत्य शासकीय महाविद्यालय हनुमना को सौपते हुए शासकीय अभिलेख को दुरूस्त करायें ।

जिला पंचायत सीईओ आज रायपुर कर्चुलियान में करेंगे समीक्षा

रीवा,कासं.। जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान के सभागार में 9 मई को सुबह 11 बजे से समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। बैठक में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर विभागीय कार्यों की समीक्षा करेंगे। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान, समग्र ई केवाईसी तथा खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेशन एवं मनरेगा योजना की समीक्षा की जाएगी। बैठक में निर्माण कार्यों की प्रगति, पेयजल व्यवस्था, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की जाएगी। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजय सिंह ने सभी योजनाओं के प्रभारी अधिकारियों, सहायक यंत्री, उपयंत्री एवं अन्य अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्राकृतिक आपदा में किसानों को देती है बीमा लाभ

रीवा,कासं.। देश में खेती परंपरागत रूप से प्रकृति पर आधारित है। किसान की फसल पर पाले, अधिक वर्षा, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा में हानि का सदैव खतरा रहता है। इससे किसान को सुरक्षा देने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की गई है। इस योजना में बीमा कंपनियाँ बीमा की जो राशि तय करती हैं उसमें से किसान को खरीफ फसल के लिए केवल 2 प्रतिशत और रबी फसल के लिए 1.5 प्रतिशत प्रीमियम देना होता है। बागवानी फसलों के लिए प्रीमियम राशि 5 प्रतिशत निर्धारित की गई है। प्रीमियम की शेष राशि का 50 प्रतिशत केन्द्र सरकार तथा 50 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा अदा किया जाता है। फसल हानि होने पर कम से कम 25 प्रतिशत दावा राशि सीधे किसान के बैंक खाते में दी जाती है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि प्रत्येक जिले में तहसीलवार, फसलवार तथा हल्कावार बीमा के प्रकरण तैयार किए जाते हैं। ऋणी और अऋणी किसान खरीफ फसल के लिए 16 अगस्त तक तथा रबी फसल के लिए 15 सितम्बर से 16 जनवरी तक फसल बीमा योजना के आवेदन बैंकों में जमा कर सकते हैं। बैंकों द्वारा खरीफ फसल के लिए 30 सितम्बर तक तथा रबी फसल के लिए 28 फरवरी तक बीमा प्रस्ताव संबंधित बीमा कंपनी को भेजना आवश्यक होगा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में खरीफ फसल के लिए ऋणी किसान 15 सितम्बर तक एवं अऋणी किसान 22 अगस्त तक प्रीमियम की राशि जमा कर सकते हैं। रबी फसल के लिए ऋणी किसान 15 फरवरी एवं अऋणी किसान 22 जनवरी तक प्रीमियम राशि जमा कर सकते हैं। फसलों के पैदावार के आंकड़े के आधार पर आधुनिक तकनीक से फसल के नुकसान का आकलन किया जाता है। फसल कटाई प्रयोग से प्राप्त आंकड़े स्मार्ट फोन के माध्यम से अपलोड किए जाते हैं। जल भराव होने, चक्रवात और बेमौसम बारिश होने से फसलों को हानि होने पर भी बीमा सुरक्षा का लाभ दिया जाएगा।

खेल/व्यापार

संक्षिप्त समाचार

भारत-पाक तनाव के बीच सोने-चांदी के दाम लुढ़के, गोल्ड 97,000 के नीचे आया

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी मौद्रिक नीति घोषणा से पहले, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (स्ष्टङ्क) पर आज सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। MCX पर सोने का भाव आज ?96,900 प्रति 10 ग्राम पर खुला, जो इसके पिछले बंद भाव ?97,491 से कम था। सुबह 9न्05 बजे तक, स्ष्टङ्क पर सोना ?841 या 0.86त्न की गिरावट के साथ ?96,650 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। उल्लेखनीय है कि पिछले कारोबारी सत्र में सोने की कीमतों में 3त्न से अधिक की तेजी आई थी। चांदी का भाव भी आज स्ष्टङ्क पर गिरावट के साथ खुला। सुबह 9न्05 बजे, चांदी ?251 या 0.26त्न की कमजोरी के साथ ?96,450 प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों पर संभावित रुख का असर कमोडिटी बाजार पर दिख रहा है। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच भू-राजनीतिक तनाव उस समय बढ़ गया जब भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचे पर सटीक हमले करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। इस सैन्य कार्रवाई में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया।

घरेलू विमानन कंपनियों की फ्रेश ट्रैवल एडवाइजरी जारी, 10 मई तक कुछ फ्लाइट्स रद्द

नई दिल्ली ,एजेंसी। घरेलू विमानन कंपनियों ने बुधवार को हवाई यात्रियों के लिए फ्रेश एडवाइजरी जारी की। अथॉरिटी की अधिसूचना के बाद 10 मई तक कुछ और उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इस अधिसूचना में यात्रियों से एयरपोर्ट पर जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जांचने को कहा गया है। एयर इंडिया ने कहा, जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट की दोनों तरफ की उड़ानें 10 मई को सुबह 5 बजकर 29 मिनट तक रद्द की जा रही हैं। एयरलाइन ने कहा कि इस अवधि के दौरान वैध टिकट रखने वाले यात्रियों को रिशेड्यूलिंग चार्जेज पर एक बार छूट दी जाएगी या कैंसलेशन के लिए फुल रिफंड की पेशकश की जाएगी। इंडिगो के अनुसार, हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों पर सरकारी अधिसूचना के कारण, कई एयरपोर्ट (अमृतसर, बीकानेर, चंडीगढ़, धर्मशाला, ग्वालियर, जम्मू, जोधपुर, किशनगढ़, लेह, राजकोट और श्रीनगर) से 165 से अधिक इंडिगो उड़ानें 10 मई, 2025 को सुबह 5 बजकर 29 मिनट तक रद्द कर दी गई हैं। यात्रियों को एयरपोर्ट जाने से पहले एयरलाइन की वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर फ्लाइट स्टेटस की जांच करने को कहा गया है। कम लागत वाली एयरलाइन ने एक्स पर एक लेटेस्ट पोस्ट में कहा, जिन ग्राहकों की उड़ानें प्रभावित होती हैं, वे अगली उपलब्ध उड़ान पर बुकिंग को रिशेड्यूल कर सकते हैं या बिना किसी अतिरिक्त लागत के अपनी बुकिंग रद्द करने का विकल्प चुन सकते हैं, जिसके बाद फुल रिफंड की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इन बदलावों को सीधे हमारी वेबसाइट के जरिए मैनेज किया जा सकता है। इससे पहले, स्पाइसजेट ने कहा, मौजूदा स्थिति के कारण धर्मशाला (डीएचएम), लेह (आईएक्सएल), जम्मू (आईएक्सजे), श्रीनगर (एसएक्सआर) और अमृतसर (एटीक्यू) सहित उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में एयरपोर्ट अगली सूचना तक बंद हैं। इसमें कहा गया है, प्रस्थान, आगमन और अन्य उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की योजना उसी के अनुसार बनाएं और उड़ान की स्थिति की जांच करें।

सीएसके ने रोमांचक मुकाबले में केकेआर को चटाई धूल, ब्रेविस और दुबे ने खेलीं शानदार पारियां

-नूर ने चटकाए 4 विकेट

कोलाकाता,एजेंसी। आईपीएल 2025 के 57वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 2 विकेट से हरा दिया है. धोनी ने अंत तक नाबाद रहते हुए अंशुल कम्बोज के साथ मिलकर अंतिम ओवर में 2 बॉल बाकी रहते हुए टीम को जीत दिला दी. यह चेन्नई की टूर्नामेंट में तीसरी जीत है. केकेआर इस हार ने केकेआर की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को कुछ हद कर झटका दिया है. इस मुकाबले में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीता और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पहले बॉलिंग करने के लिए कहा. केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करने हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 179 रन बनाए. सीएसके ने 19.4 ओवर में 8 विकेट खोकर 180 रनों के लक्ष्य को 183 रन बनाकर सफलता पूर्वक हासिल कर लिया. चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 180 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए डेवाल्ड ब्रेविस ने 25 बॉल पर 4 चौके और 4 छक्कों के साथ 52 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली. शिवम दुबे ने 40 बॉल में 2 चौके और 3 छक्कों के साथ 45 रनों की पारी खेली। इन दोनों के अलावा डेब्यू मैच में उर्विल पटेल ने 11 बॉल में 1 चौके और 3 छक्कों के साथ 31 रनों की विस्फोटक पारी खेली. धोनी 17 और अंशुल कम्बोज 4 रन पर नाबाद रहे और अपनी टीम को जीत दिलाकर लौटे. केकेआर के लिए वैभव अरोड़ा ने 3, हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती ने 2-2 विकेट हासिल किए. 1 विकेट मोईन अली के हाथ भी लगा।

इससे पहले केकेआर के कप्तान रहाणे ने 33 बॉल में 4 चौके और 2 छक्कों के साथ 44 रनों की पारी खेली. उनके अलावा सुनील नारायण ने 26, मनीष पांडे ने नाबाद 36 और आंद्रे रसेल ने 38 रन बनाए. चेन्नई सुपर किंग्स के लिए नूर अहमद ने 4 ओवर में 31 रन देकर 4 विकेट हासिल किए. उनके अलावा रविंद्र जडेजा व अंशुल काम्बोज ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

अजिंक्य रहाणे ने रचा इतिहास,

आईपीएल में 5000 रन बनाने वाले भारत के छठे बल्लेबाज बन

कोलाकाता,एजेंसी। अजिंक्य रहाणे ने कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले जा रहे आईपीएल 2025 के 57वें मैच में इतिहास रचते हुए एक खास उपलब्धि हासिल कर ली है. कोलकाता के ईडन गार्डन्स क्रिकेट स्टेडियम में रहाणे ने आईपीएल इतिहास में अपने 5000 रन पूरे कर लिए हैं.

अजिंक्य रहाणे ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 31 रन बनाते ही इंडियन प्रीमियर लीग में अपने 5000 रन पूरे कर लिए. इस मैच से पहले उन्होंने 96 आईपीएल मैचों में कुल 4969 रन बनाए हैं. अब वो आईपीएल में 5000 रन बनाने वाले भारत के छठे बल्लेबाज बन गए हैं. उनसे पहले विराट कोहली, रोहित शर्मा, शिखर धवन, सुरेश रैना और महेंद्र सिंह धोनी 5000 के आंकड़े को पार कर पाए हैं. इसके साथ ही वो आईपीएल में 5000 रन बनाने वाले ओवरऑल बल्लेबाजों की लिस्ट में 9वें स्थान पर आ गए हैं। इस मैच में केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीता और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पहले बॉलिंग करने के लिए कहा. केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करने हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 179 रन बनाए. केकेआर के कप्तान रहाणे ने 33 बॉल में 4 चौके और 2 छक्कों के साथ 44 रनों की पारी खेली. उनके अलावा सुनील नारायण ने 26, मनीष पांडे ने नाबाद 36 और आंद्रे रसेल ने 38 रन बनाए. चेन्नई सुपर किंग्स के लिए नूर अहमद ने 4 और रविंद्र जडेजा व अंशुल काम्बोज ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट में 5 अद्भुत रिकॉर्ड्स, जिन्हें तोड़ पाना असंभव

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अचानक बुधवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है. रोहित ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपने संन्यास की जानकारी दी है. हिटमैन ने 67 मैचों की 116 पारियों में 12 शतक और 18 अर्धशतकों के साथ 4301 रन बनाए हैं. उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 2 विकेट भी हासिल किए हैं. आज उनके टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के मौके पर हम आपको उनके 5 अद्भुत रिकॉर्ड्स के बारे में बताने वाले हैं. भारत के लिए रोहित शर्मा ने अपना टेस्ट डेब्यू 6 नवंबर 2013 को किया था. उन्होंने अपने टेस्ट डेब्यू पर संेचुरी लगाई थी. वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम पर उन्होंने 301 गेंदों में 177 रनों की शानदार पारी खेली थी. इस पारी के दौरान उन्होंने 23 चौके और 1 छक्का लगाया था. इस मैच को टीम इंडिया ने एक पारी और 51 रनों से जीत लिया.रोहित शर्मा ने साल 2019 में कमाल कर दिखाया जब उन्होंने एक मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विशाखापट्टनम में खेले मैच में रोहित शर्मा ने पहली पारी में 176 और दूसरी पारी में 127 रन बनाए थे. भारत के लिए वो एक मैच की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के नाम टेस्ट क्रिकेट में एक और अद्भुत रिकॉर्ड दर्ज है. वो भारत की ओर से 7वें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी बनाने वाले खिलाड़ी है. उन्होंने भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के साथ मिलकर 435 गेंदों में 280 रनों की साझेदारी की थी. रोहित ने ये कारनामा

वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने डेब्यू टेस्ट मैच में किया था.

रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट में लगातार 5 मैचों में 50 रनों का आंकड़ा पार करने का रिकॉर्ड भी बनाया है. उन्होंने 2016 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद 68, कोलकाता में दूसरी पारी के दौरान 82, इंदौर में पहली पारी में नाबाद 51, 2017 में श्रीलंका के खिलाफ नागपुर में नाबाद 102 और दिल्ली में पहली पारी में 65 और दूसरी पारी में नाबाद 50 रन की पारी खेली थी. रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज होने का रिकॉर्ड रखते हैं. उन्होंने 67 मैचों की 116 पारियों में कुल 88 छक्के लगाए हैं. भारत के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग हैं जिन्होंने 90 छक्के लगाए हैं. रोहित उनसे सिर्फ 2 छक्के दूर रह गए।

पुलिस और एनएचएआई ने किया 12 ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान खामियां सामने आई, 3 साल में 81 लोगों की मौत

शिवपुरी ब्यूरो। बढ़ते सड़क हादसों पर नियंत्रण पाने के लिए पुलिस और एनएचएआई की संयुक्त टीम ने गुरुवार को ब्लैक स्पॉट्स का निरीक्षण किया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और एसडीओपी शिवपुरी के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा 2024 के सड़क दुर्घटना आंकड़ों के आधार पर जिले में 12 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं। इनमें से सभी एनएच-46 और एनएच-27 पर स्थित हैं। इन स्थानों पर बीते तीन सालों में 105 सड़क हादसे हो चुके हैं, जिनमें 81 लोगों की जान चली गई। इन्हीं में से थाना सतनबाड़ा क्षेत्र के खूबत घाटी और थाना देहात क्षेत्र के पिपरसमा चौराहा पर संयुक्त निरीक्षण किया गया। इस दौरान एसडीओपी शिवपुरी संजय चतुर्वेदी, यातायात थाना प्रभारी रणवीर सिंह यादव, देहात थाना प्रभारी रत्नेश यादव और सतनबाड़ा थाना प्रभारी सुनील राजपूत मौजूद रहे। एनएचएआई की ओर से रेजिडेंट इंजीनियर धनंजय युके, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर इंद्रजीत सिंह सिकरवार और क्वालिटी मटेरियल इंजीनियर अविनाश बिरथरे भी टीम में शामिल थे। निरीक्षण के दौरान दोनों ब्लैक स्पॉट्स पर कई खामियां सामने आईं। जैसे कि खूबत घाटी में रोशनी, साइन बोर्ड और क्रेश बैरियरों की स्थिति खराब पाई गई। वहीं, पिपरसमा चौराहे पर चेतावनी बोर्ड, रोड मार्किंग और सुरक्षा चिह्नों की कमी पाई गई। मौके पर ही संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए गए कि इन खामियों को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि यदि इन स्थानों पर जरूरी सुधार किए जाते हैं, तो सड़क हादसों की संख्या में ठोस कमी लाई जा सकती है।

नर्स से छेड़छाड़, मारपीट एवं तोडफ़ोड़ करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

शिवपुरी ब्यूरो। खोड़ चौकी भौंती थाना पुलिस ने शासकीय अस्पताल खोड़ की नर्स से छेड़छाड़, मारपीट एवं शासकीय कार्य में बाधा डालने के मामले में 9 माह से फरार चल रहे 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। खोड़ चौकी प्रभारी कुसुम गोयल के अनुसार 10 मई को फरियादिया ने शासकीय कार्य में बाधा, छेड़छाड़ एवं तोडफ़ोड़ करने संबंधी आरोपीगण भानू प्रताप जाटव नि.महोबा टपरियन, गौरव जाटव चंदन सिंह जाटव नि.गण देवरीखुर्द चौकी खोड़ के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिस पर से थाना भौंती पर अपराध क्र.228/24 धारा 132,74,324(3),296, 351(3), 3(5) बी एन एस का कायम किया गया था। जिसमें फरियादिया का मेडीकल परीक्षण एवं एक्सरे कराया गया एक्सरा रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण में धारा 121 (1), 121(2) बीएनएस इजाफा की गई। बाद आरोपीगगण को गिरफ्तारी के लगातार प्रयास किये जा रहे थे, आरोपीगण घटना दिनांक से फरार चल रहे थे। आज दिनांक को सूचना मिली की शासकीय अस्पताल खोड़ में तोडफ़ोड़, नर्स से छेडछाड़, मारपीट व शासकीय कार्य में बाधा डालने बाले आरोपीगण देवरीखुर्द तिराहे पर खड़े है। सूचना पर से एसडीओपी के निर्देशन में टीम बनाई गई जिसमें थाना प्रभारी भौती निरी. मनोज राजपूत के नेतृत्व में चौकी प्रभारी उनि. कुसुम गोयल व फोर्स की मदद से देवरीखुर्द तिराहे पर से आरोपीगण को गिरफ्तार किया जिन्हे माननीय न्यायालय में पेश किया गया। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक मनोज राजपूत, उनि. कुसुम गोयल, सउनि. आनंद सुनेरी सउनि. मुनेन्द्र भदौरिया आर. रविकान्त शर्मा, आर. ब्रजराजसिंह, आर. वरिन्द्र बाथम, सेनिक. निकिल की अहम भूमिका रही।

शिवपुरी के नजदीक ग्राम तानपुर के खेतों में देखे गए पांच चीते, वन विभाग की टीम भी साथ

शिवपुरी ब्यूरो। शिवपुरी के नजदीक ग्रामीण क्षेत्रों में वन्य जीवों की गतिविधियां और सक्रियता तेजी से बढ़ रही है। शहरी क्षेत्र शिवपुरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आए दिन तेंदुओं, भालू तथा अन्य जीवों की आमद देखी जा रही है वहीं कल श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क से पलायन कर शिवपुरी के नजदीक ग्राम तानपुर में अफ्रीकन पांच चीते पहुंच गए हैं जिन्हें आज सुबह 7 बजे खेतों में विचरण करते हुए देखा गया जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। इससे पहले यह झुंड पोहरी के आसपास के क्षेत्र में भी देखा गया था। तानपुर के निवासी रवि रावत ने बताया कि सुबह उन्होंने अपने खेत में चीतों को देखा। इसकी सूचना मिलते ही गांव के अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए। सुरक्षा कारणों से वन विभाग ने ग्रामीणों को वहां से हटा दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कुछ समय बाद चीते गांव की पार की ओर चले गए। बाद में ग्रामीणों ने बताया कि चीतों का झुंड पिपरसमा गांव की दिशा में बढ़ गया। वन विभाग के कर्मचारी उनकी निगरानी कर रहे है। इससे पहले भी चीतों का झुंड पोहरी के आसपास भी देखा गया था। वहीं वन विभाग के अधिकारी इस मामले में कुछ भी कहने से बचते नजर आए। सीसीएफ उत्तम शर्मा ने कहा कि मैं इस मामले में कुछ भी नहीं कहना चाहूंगा।

कार से टकराया लोडिंग वाहन, 6 लोग घायल, फोन आने पर युवक ने रोकी थी कार

शिवपुरी ब्यूरो। कोलारस में एनएच-46 पर किनारे खड़ी कार में एक लोडिंग वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में 6 लोग घायल हुए है। टक्कर के बाद लोडिंग वाहन पलट गया। हादसा गुरुवार दोपहर को कोलारस बायपास स्थित जाट होटल के पास हुआ। हादसे में घायल इकबाल ने बताया कि वे सभी उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थ नगर के रहने वाले हैं। वे नासिक में गांव-गांव जाकर कबाड़ बिनने का काम करते हैं। गुरुवार को वे सभी लोडिंग वाहन से नासिक जा रहे थे। इस दौरान वाहन बेकाबू होकर सड़क किनारे खड़ी कार से टकरा गया। हादसे में लोडिंग वाहन में सवार छह लोग घायल हो गए। कोलारस पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। पुलिस ने पलटे हुए वाहन को हाईवे से हटवाया। कार मालिक चेतन रघुवंशी कोलारस के रिजोदा गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि परिजन का फोन आने पर उन्होंने हाईवे किनारे कार रोकी थी। तभी पीछे से तेज रफ्तार लोडिंग वाहन ने टक्कर मार दी। चेतन को चोट नहीं आई, लेकिन उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आईएमए दतिया द्वारा 'प्यूराइटिस के प्रबंधन' विषय पर सीएमई का भव्य आयोजन

मुख्य वक्ता वरिष्ठ चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ खोजिमा सैफी ने खुजली की आधुनिक चिकित्सा पर दी जानकारी, 15 नए चिकित्सकों ने आई एम ए की सदस्यता ग्रहण की

दतिया। आईएमए मीडिया प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) दतिया शाखा द्वारा बुधवार शाम एक दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम (सी एम ई) का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य विषय था ÷प्यूराइटिस (खुजली) के प्रबंधन÷। कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठ चिकित्सकों सहित बड़ी संख्या में युवा डॉक्टरों ने भाग लिया और विषय से संबंधित नवीनतम जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ बी. के. वर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, रहे। उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में निरंतर नवाचार, अनुभव-साझाकरण और सहयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से चिकित्सकों की जानकारी अद्यतन रहती है और मरीजों को बेहतर सेवा मिलती है। गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ अर्जुन सिंह, मेडिकल कॉलेज अधीक्षक, ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए चिकित्सकों को टीम भावना से कार्य करने और मेडिकल नैतिकता को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ एस. एन. शाक्य द्वारा की गई, जिन्होंने प्यूराइटिस से संबंधित सामान्य भ्रमों और वैज्ञानिक तथ्यों पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथियों में शामिल रहे डॉ प्रदीप उपाध्याय, डॉ प्रदीप शुक्ला, डॉ के. सी. राठौर तथा डॉ सचिन सिंह यादव, जिन्होंने अपने-अपने अनुभव साझा करते हुए आईएमए की सक्रियता और समाज सेवा के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ खोजिमा सैफी (एम.डी., त्वचा रोग विशेषज्ञ) रहे, जो ग्वालियर से विशेष रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने प्यूराइटिस (खुजली) के विभिन्न कारणों, निदान के तरीकों, मरीज से संवाद की तकनीक और दवाओं की नवीनतम जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे यह सामान्य समझी जाने वाली समस्या, कई बार गंभीर रोगों का संकेत हो सकती है। उनका व्याख्यान सभी उपस्थित चिकित्सकों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ। इस सीएमई कार्यक्रम का मंच संचालन प्रभावशाली एवं रोचक शैली में डॉ अभिषेक मेहता द्वारा किया गया, जिन्होंने कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया। कार्यक्रम का एक और विशेष आकर्षण रहा कि 15 नए चिकित्सकों ने आईएमए की सदस्यता ग्रहण की, जिससे संगठन को नई ऊर्जा और शक्ति मिली। नए सदस्यों का स्वागत करते हुए प्ड। ने विश्वास जताया कि ये युवा डॉक्टर संगठन के कार्यों को और आगे ले जाएंगे। इस आयोजन की रूपरेखा आईएमए दतिया के अध्यक्ष डॉ प्रशांत हरित, सचिव डॉ के. पी. बरैठिया एवं कोषाध्यक्ष डॉ के. एल. गुप्ता द्वारा तैयार की गई थी। कार्यक्रम के अंत में सचिव डॉ के. पी. बरैठिया ने मंच से सभी उपस्थित चिकित्सकों, विशिष्ट अतिथियों, वक्ताओं, युवा सदस्यों एवं आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि आईएमए दतिया भविष्य में इसी प्रकार के और भी प्रभावी एवं उपयोगी शैक्षणिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।

बोर्ड परीक्षा में अमन पब्लिक स्कूल पोहरी का रहा दबदबा, 334 छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण

14 ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए

शिवपुरी ब्यूरो। पोहरी ब्लॉक के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान अमन पब्लिक स्कूल ने इस वर्ष भी बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन कर अपना दबदबा कायम रखा है। कक्षा 10वीं में 137 एवं कक्षा 12वीं में 197 छात्र-छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की। इस प्रकार कुल 334 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। कक्षा 10वीं में 27 छात्रों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि कक्षा 12वीं में ऐसे 25 छात्र-छात्राएं रहे। सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि यह रही कि कक्षा 10वीं एवं 12वीं में कुल 14 छात्र-छात्राओं ने 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक अर्जित किए। कक्षा 12वीं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में पुष्पेंद्र यादव (91 प्रतिशत), भारती वर्मा (90.4 प्रतिशत), शिरीन खान (90.2 प्रतिशत), रोशनी वर्मा (90 प्रतिशत), और करुणा अग्रवाल (90 प्रतिशत) प्रमुख रहे। अन्य उल्लेखनीय नामों में खुशी धाकड़ (88.4 प्रतिशत), रोशनी धाकड़ (88.2 प्रतिशत), दीपा वर्मा (85 प्रतिशत), पूर्वी गुप्ता (84.4 प्रतिशत), और कृष्णा गुप्ता (84 प्रतिशत) शामिल हैं। कक्षा 10वीं में विनय धाकड़ (94.4 प्रतिशत), तनु गुर्जर (94 प्रतिशत), वंशिका राठौर (93.4 प्रतिशत), विवेक खटीक (93.2 प्रतिशत), अंकुल धाकड़ (93) प्रतिशत), सुरजा धाकड़ (92 प्रतिशत), मनमोहन धाकड़ (91.6 प्रतिशत), अतुल धाकड़ (91.6 प्रतिशत), रामदीन धाकड़ (91.4) प्रतिशत), और पवन धाकड़ (91 प्रतिशत) जैसे छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए। विद्यालय की संचालक श्रीमती राजकुमारी शैलेंद्र धाकड़ ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बच्चों की सफलता के लिए विद्यालय के समर्पित स्टाफ की भी सराहना की।

शासकीय हाई स्कूल फिजीकल कॉलोनी का परिणाम रहा 92.68 प्रतिशत

शिवपुरी ब्यूरो। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा घोषित 10वीं की परीक्षा में इस बार शहर के शासकीय हाई स्कूल फिजीकल कॉलोनी का परीक्षा परिणाम 92.68 प्रतिशत रहा है। 10वीं की बोर्ड परीक्षा में सबसे अधिक प्रांप्त करने वाले छात्र-छात्राओं में सिमरन शाक्य ने 500 में से 445 अंक प्राप्त कर प्रथम (89 प्रतिशत), राहुल प्रजापति ने 500 में से 440 अंक प्राप्त कर द्वितीय (88 प्रतिशत), शगुन शाक्य ने 500 में से 434 अंक प्राप्त कर तृतीय (86.8 प्रतिशत) एवं मनीष बाथम ने 86 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चतुर्थ स्थान पर रहे हैं। छात्र-छात्राओं ने इसका श्रेय अपने गुरूजनों एवं माता-पिता को दिया है। विद्यालय के शिक्षक गब्बर जाटव ने सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है और यह सफलता छात्र-छात्राओं की लगन एवं मेहनत का परिणाम है। साथ ही विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकों की महती भूमिका के चलते शासकीय स्कूल का परिणाम अच्छा रहा है। वहीं छात्र-छात्राओं ने बताया कि पढ़ाई को लेकर हम हमेशा गंभीर रहते हैं। स्कूल में पढ़ाई के साथ-साथ घर आकर पूरे शेड्यूल बनाकर रोजाना 6 से 7 घंटे पढ़ाई करती थी और अपने लक्ष्य को लेकर प्रतिबद्ध रहते थे और हमारी यही मेहनत रंग लाई।

जिला प्रभारी ने किया चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण

गर्मी और लू से आमजन के बचाव तथा उपचार की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

धौलपुर ब्यूरो। गर्मी और लू तापघात से आमजन के बचाव तथा उपचार की तैयारियों का हाल जानने हेतु राज्यस्तर से जिले के प्रभारी डॉ अनमोल खंडेलवाल धौलपुर दौरे पर है। डॉ. खंडेलवाल ने गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कंचनपुर, बसेड़ी, नादनपुर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरानी खेड़ा, अब्दुलपुर, उमरैह, खानपुर, महू गुलावली, जारगा, बोरेली सहित करीब एक दर्जन चिकित्सा संस्थानों का औचक निरीक्षण कर लू ताप घात से बचाव की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.गौरव मीणा भी उनके साथ रहे। निरीक्षण के दौरान सभी चिकित्सा संस्थानों पर हीटवेव से बचाव एवं उपचार की व्यवस्थाओ की समीक्षा की गई। अस्पतालों में कूलर, पंखे, एसी, पीने का पानी, वाटर कूलर आदि क्रियाशील मिले। चिकित्सा संस्थानों पर सभी व्यवस्थाए माकूल पाई गई। लू ताप घात के अतिरिक्त उन्होंने चिकित्सा संस्थानों पर प्रत्येक वार्ड, दवा वितरण केंद्र, प्रसव कक्ष, जांच कक्ष तथा उपलब्ध संसाधनों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में मिल रही सेवाओं को लेकर मरीजों तथा उनके परिजनों से फीडबैक लिया। उन्होंने अस्पतालों के बायोमेडिकल वेस्ट के समुचित निस्तारण के भी निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने मौके पर ही जिन चिकित्सा संस्थानों से बायोमेडिकल वेस्ट उठाने हेतु परेशानी हो रही है उनका उचित निस्तारण करने हेतु होस्विन प्रबंधक को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी धौलपुर में बुलाकर सीटीएफ कनेक्टिविटी दुरुस्त करने के सम्बन्ध मे चर्चा की गई एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसेड़ी पर सोनोग्राफी मशीन की आवश्यकता पाए जाने पर राज्य स्तर तक बात पहुंचाने का आश्वासन दिया। उन्होंने आवश्यक दवाइयों की शत प्रतिशत उपलब्धता पर जोर देते हुए हीट वेव से बचाव हेतु सभी स्वास्थ्य कर्मियों को सघन प्रशिक्षण देने के निर्देश भी दिए। उन्होंने हीट वेव से बचाव के लिए आम जान में सघन प्रचार प्रसार करने के भी निर्देश दिए।

रेफर टू केयर व्हाट्सएप ग्रुप से मजबूत बन रहा जिले का रेफरल तंत्र

उच्च जोखिम पूर्ण प्रसूताओं को मिल रहा सही समय पर इलाज

धौलपुर ब्यूरो। मातृ मृत्यु तथा नवजात शिशु मृत्यु दर को कम करने हेतु जिले में रेफेरल तंत्र को मजबूत बनाने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे है। इन्हीं प्रयासों की नई कड़ी के रूप में नवाचार करते हुए रेफर टू केयर व्हाट्स एप ग्रुप बनाया गया है। इस ग्रुप का उद्देश्य उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिला के रेफरल केस की सूचना तत्काल उच्च संस्थान को सूचित करना है जिससे गर्भवती महिला के चिकित्सा संस्थान पर पहुंचने से पहले ही सभी आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं का पूर्व के ही प्रबंध कर गर्भवती महिला और उसके होने वाले बच्चे को बचाया जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्मसिंह मीणा ने बताया कि इस व्हाट्स एप ग्रुप में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर जिला अस्पताल तक सभी डिलीवरी पॉइंट्स के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी जुड़े हुए है जो ग्रुप की सूचना से न केवल उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की स्थिति का पता करते है बल्कि अपने स्तर अनुसार आवश्यक प्रबन्धन के इलाज के लिए मुस्तैद रहते है। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शिव कुमार शर्मा ने बताया कि इस व्हाट्स एप ग्रुप से जिले भर की सभी उच्च जोखिम पूर्ण गर्भवती महिलाओं की सूचना का आदान प्रदान की गुणवत्तापूर्ण उपचार सुविधा दी जा रही है। हाल ही में इसकी बानगी जिला सामान्य चिकित्सालय बाड़ी में देखने को मिली जहां प्रसव कक्ष मे एक प्रसूता की अपने पहले बच्चे के जन्म के बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। ड्यूटी चिकित्सक डॉ. सुनील कुमार मीणा के अनुसार प्रसूता को डिलीवरी के बाद पेलविक हीमाटोमा हो गया। अधिक रक्तस्राव के कारण प्रसूता को जिला अस्पताल धौलपुर के लिए रेफर करना आवश्यक था। इसकी सूचना वहां के ड्यूटी नर्सिंग स्टॉफ ने ग्रुप में साझा की। जिला स्तर से उच्च अधिकारी ने उस सूचना को तत्काल संज्ञान में लिया और जिला अस्पताल के प्रसव कक्ष इंचार्ज ज्योति रावत को अलर्ट रहने और केस को पहुंचने से पहले सभी तैयारियां रखने के लिए पाबंद किया। प्रसव कक्ष इंचार्ज ज्योति रावत ने तत्परता दिखाते हुए केस के पहुंचते ही उसका सफल इलाज किया गया, जिससे महिला की जान बचाई गई। प्रसूता को 4 मई को डिस्चार्ज कर दिया गया। डॉ. शर्मा ने बताया कि जिले के सभी उच्च प्रसव भार वाले संस्थान को निर्देशित किया गया है कि इस ग्रुप मे सभी केस जो लेबर रूम से रेफेर किये जाते है उसकी सूचना ग्रुप में डाले। मनिया, बाड़ी, बसेड़ी, सरमथुरा आदि चिकित्सा संस्थानों से अनेको केस के रेफेरल की सूचना इस ग्रुप मे साझा कि गयी जिससे सही समय पर सफल इलाज कर प्रसूताओं कि जान बचाई गयी। इस नवाचार के लिए जिला कार्यक्रम समन्वयक प्रवीण अवस्थी तथा युएनएफपीए जिला समन्वयक रिपुंजय कुमार का विशेष योगदान रहा।

जिला परिषद के वार्ड संख्या 9 के रिक्त पद पर उपचुनाव स्थगित

धौलपुर ब्यूरो। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतीराज संस्थाओं के विभिन्न कारणों से रिक्त हुए पदों पर उप चुनाव कार्यक्रम जारी किया गया था, जिसके अनुसार जिला परिषद धौलपुर के वार्ड संख्या 9 पर उपचुनाव कराया जाना था। उप जिला निर्वाचन अधिकारी हरिराम मीना ने बताया कि स्वायत्त शासन विभाग की अधिसूचना से ग्राम पंचायत पुरानी छावनी का राजस्व ग्राम पुरानी छावनी का सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र नगर परिषद धौलपुर में सम्मिलित किए जाने से जिला परिषद धौलपुर के वार्ड संख्या 9 परिसीमन से प्रभावित है। उन्होंने बताया कि वर्तमान स्थिति के अनुसार जिला परिषद धौलपुर के वार्ड संख्या 9 परिसीमन से प्रभावित होने के कारण रिक्त पद प्रक्रियाधीन उपचुनाव माह मई 2025 को स्थगित किया जाता है।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को खपत के आधार पर दिन के टैरिफमें 20 प्रतिशत की मिलेगी छूट

दतिया। श्री मनोज द्विवेदी वरिष्ठजनसंपर्क अधिकारी एवं नोडल अधिकारी म.प्र. शासन, ऊर्जा विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को दिन के टैरिफ में छूट प्रदान की जाएगी। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़.कर की जाएगी। कंपनी ने कहा है कि यह छूट एलवी उपभोक्ता श्रेणियों के लिए विशिष्ट नियमों और शर्तों के आधार पर दिन के विभिन्न समय के दौरान खपत की अवधि के अनुसार ऊर्जा शुल्क पर लागू होगी। एल.वी.-1 घरेलू और एल.वी.-3 सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइटपीक ऑवर्स (सुबह) 9बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। इसी तरह एल.वी.-2 गैर-घरेलू और एल.वी.-4 एल.टी. औद्योगिक ऑफपीक/सौर समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट 10 किलोवाट से अधिक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही मिलेगी। वहीं स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जिसमें एल.वी.-1 घरेलू, एल.वी.-2 गैर घरेलू, एल.वी.-3 सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट और एलवी-4 एलटी औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए ऑफपीक/सौर समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ता ओं को ही मिलेगी।

कंसल्टेंट ग्रेड-2 व ग्रेड-3 की नियुक्ति हेतु आवेदन आंमत्रित

दतिया। मनोज द्विवेदी वरिष्ठजनसंपर्क अधिकारी एवं नोडल अधिकारी, म.प्र. शासन, ऊर्जा विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने सभी सर्किलों में वाणिज्यिक और अन्य गतिविधियों के लिए परामर्शदाताओं (ग्रेड 2/3) को नियुक्ति के लिए आवेदन पत्र मंगाए है। कंपनी ने बताया कि इसके लिए 17 परामर्शदाता ग्रेड 2 और 17 परामर्शदाता ग्रेड 3 को नियुक्त करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। ये नियुक्तियां 3 साल की अवधि के लिए होंगी, जिसके लिए अभ्यर्थी की आयु अधिकतम 67 वर्ष निर्धारित है। योग्यता संबंधी विस्तृत जानकारी तथा अन्य शर्तें कंपनी की वेबसाइट http://portal.mpcz.in भी देखी जा सकती है।

औद्योगिक भूखण्डों के आवंटन हेतु एक्सप्रेशन ऑफइन्टरेस्ट का आमंत्रण

दतिया। महाप्रबंधक , जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, दतिया ने जानकारी देते बताया कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा जिले में स्थित औद्योगिक क्षेत्र गंधारी में रिक्त औद्योगिक भूखण्डों के आवंटन हेतु दिनांक 01.05.2025 प्रातः 11:00 बजे से दिनांक 15.05.2025 को अपरान्ह 05:00 बजे तक एक्सप्रेशन ऑफइन्टरेस्ट आमंत्रित किए गए है। उक्त प्रकिया विभागीय पोर्टल mpmsme.gov.in पर संपादित की जाएगी। प्रक्रिया अंतर्गत प्रमुख शर्तें निम्नानुसार हैः-

1. प्रत्येक भूखण्ड हेतु आवेदन शुल्क रू. 5000/- होगा आवेदन शुल्क वापसी योग्य नहीं होगा।
2. आवेदन शुल्क के अतिरिक्त आवंटित भूमि हेतु आवेदन दिनांक को प्रचलित प्रब्याजी (premium) की 25 प्रतिशत राशि पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन जमा करनी होगी।
3. भूखण्डों का आवंटन मध्यप्रदेश एमएसएमई को औद्योगिक भूमि तथा भवन आवंटन एवं प्रबंधन नियम 2025 के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा।

नियम प्रक्रिया एवं भूखण्डों आदि की विस्तृत जानकारी विभाग की बेबसाईट mpmsme.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जन अभियान परिषद जौरा ने किया दीवार लेखन एवं रैली का आयोजन

मुरैना,कांस। प्रदेश सरकार द्वारा 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश के साथ-साथ मुरैना जिले में भी चलाया जा रहा है। अभियान को मूर्त रूप देने के लिए मप्र जन अभियान परिषद् के जिला समन्वयक श्री सतीश तोमर के नेतृत्व में जौरा के ब्लॉक समन्वयक श्री बी.डी. शर्मा के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम ग्राम उम्मेदगढ़ बांसी एवं सुमावली में किया गया। कार्यक्रम के तहत सुमावली में दीवार लेखन का भी आयोजन किया गया। ब्लॉक समन्वयक श्री बी.डी. शर्मा और नवांकुर समिति से श्री कैलाश शर्मा, श्री विष्णु सिंह तोमर, श्री अलकेश राठौर, श्री जितेंद्र शर्मा, श्री परीक्षित शर्मा आदि के द्वारा सहयोग किया। जिसमें नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति उम्मेदगढ़ बांसी के प्रमुख श्री विष्णु सिंह तोमर द्वारा बताया कि जल संरक्षण के लिए दीवार लेखन के माध्यम से जागरूकता फैलाने के लिए एक अभियान चल रहा है। इस अभियान के तहत, ग्रामों और पंचायतों में दीवार लेखन के माध्यम से लोगों को जल के महत्व और उसके समुचित उपयोग का संदेश दिया जा रहा है। नवांकुर संस्था गयासीराम एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी सुमावली के प्रमुख कैलाश शर्मा द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे महत्वपूर्ण अभियान जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सेक्टर सुमावली के प्रति जन जागरूता के लिए ग्राम के चौराहों पर दीवार लेखन कर पानी बचाओ के स्लोगन लिखे गए हैं। दीवारों पर स्लोगन, संदेश और चित्र बनाए जा रहे हैं, ताकि लोगों को जल संरक्षण के बारे में जानकारी मिल सके।

जन संवर्धन अभियान 2025

अम्बाह शाखा नहर की आरडी 8730 पर जंगल सफाई का कार्य किया

मुरैना,कांस। प्रदेश सरकार द्वारा 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जल संसाधन संभाग मुरैना के कार्यपालन यंत्री श्री पीएस जाटव के नेतृत्व में अम्बाह शाखा नहर की आरडी 8730 मीटर पर जंगल सफाई का कार्य किया गया। सफाई कार्य में अमीन श्री सोनवीर सिंह भदौरिया, श्री लिजो, श्री श्याम बाथम सहित अन्य मैदानी कर्मचारियों के सहयोग से 08 मई को सफाई कार्य किया। जिसमें कर्मचारियों ने श्रमदान किया।

विधायक दिनेश गुर्जर ने भोपाल में अनुशासन समिति की बैठक में रिठौरा कलां में गेहूं तुलाई केन्द्र न होने को लेकर रखा पक्ष

मुरैना,कांस। मुरैना विधायक दिनेश गुर्जर ने भोपाल में दिनांक 8 मई को आयोजित अनुशासन समिति की बैठक में पत्र के माध्यम से कहा कि पंचायत रिठौराकलां में गेहूं के तुलाई न बनाकर आसपास की पंचायतों करोला और महाटोली में गेहूं तुलाई केन्द्र बनाए गए है जहां किसानों से तुलाई के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। किसान भाइयों की अवैध वसूली करने के बावजूद भी गेहूं की फसल की तुलाई नहीं हो पा रही है। किसान भाई चार-चार दिनों तक लम्बी लम्बी लाइनों में लगे खड़े है। जिसकी शिकायत मेरे द्वारा मुरैना कलेक्टर पर भी शिकायत की गई है कि उक्त तुलाई केन्द्रों पर पदस्थ अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही की जावे और किसानों की सही समय पर गेहूं की फसल की तुलाई की जावे, जिससे किसान भाइयों को लाभ मिल सके।

जल गंगा संवर्धन अभियान में टीएल बैठक तक प्रगति नहीं आई तो होगी सख्त कार्यवाही-कलेक्टर

कार्य में लापरवाही पाये जाने पर 2 सब इंजीनियर निलंबित, ए.ई. का 15 दिन का वेतन काटा

मुरैना,कांस। ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत प्राथमिकता वाले अभियान में अधिकारी प्रगति लायें। कम प्रगति लाने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। ग्रामीण विकास विभाग की बैठक में लापरवाही पाये जाने पर कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने दो सब इंजीनियरों को तत्काल प्रभाव से बैठक में निलंबित करने एवं पहाड़गढ़ के ए.ई. का 15 दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री आर.के. गोस्वामी, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रतिज्ञा शर्मा, ग्रामीण यांत्रिकी के कार्यपालन यंत्री श्री आर.आर. सुमन, सब इंजीनियर, ए.ई. सहित ग्रामीण विकास विभाग के मैदानी कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने कहा कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास के अंतर्गत प्राथमिकता वाले जल गंगा संवर्धन अभियान, ई-केवाइसी, सीएम हेल्पलाइन सहित मनरेगा, आवास, आजीविका मिशन, सामाजिक न्याय पेंशन, समग्र ई-केवाइसी के अलावा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में मैदानी कर्मचारी प्रगति लायें। प्रगति नहीं लाने पर उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर श्री अस्थाना जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा कर रहे थे, उस दौरान सबलगढ़ के सब इंजीनियर श्री बृजेश भदौरिया और हाकिम सिंह त्यागी के कार्यों की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई। कलेक्टर ने दोनों सब इंजीनियर को तत्काल निलंबित करने के निर्देश बैठक में दिये। इसके साथ ही पहाड़गढ़ के ए.ई. राकेश रैपुरिया का कार्य संतोषजनक नहीं पाए जाने पर कलेक्टर ने 15 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये उन्होंने समस्त मैदानी कर्मचारियों को निर्देश दिये कि ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं में 15 जून से पहले प्रगति लाई जाए और सीएम हेल्पलाइन 12 मई से पहले रैंकिंग में सुधार लायें।

(सफलता की कहानी)

मनोज यादव की फसल बीमा योजना के लाभ से कर्ज लेने की चिंता हुई दूर

मुरैना,कांस। मुरैना विकास खंड की ग्राम पंचायत कीरतपुर के ग्राम किशनपुर निवासी मनोज यादव पुत्र राधेश्याम यादव की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से लाभ उठा रहे है। किशनपुर निवासी मनोज यादव बतातें है कि किसान तो जिंदगी भर कर्ज में डूबा रहता है। इसके बाबजूद भी खड़ी फसल पर किसी प्रकार की आपदा पड़ जाये तो उसकी पूरी साल की मेहनत बर्बाद हो जाती है साथ ही उसे नुक़सान के कारण कर्ज चुकाने में भी मुश्किल होती है। इससे बचने के लिए केन्द्र और प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्रारंभ की है। वह कहते है कि मेरे द्वारा पिछले वर्ष बाजरा की फसल बोने के बाद प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का आवेदन दिया गया था। जिसमें कुछ प्रतिशत धनराशि सरकार की तरफ़ से जमा की जाती है। वह बताते है कि अचानक मौसम बिगड़ने से खड़ी फसल पर अधिक पानी गिर गया और उनकी फसल बर्बाद हो गई।उनके द्वारा टोल फ्री नंबर 14447 पर फ़ोन किया गया। तत्काल कृषि और बीमा विभाग के अधिकारी मौके पर खेत पर पहुंचे। उन्होंने उनकी बाजरा फसल का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की और कुछ समय बाद सरकार द्वारा उनके हुए नुकसान की भरपाई भी कर दी गई। वह कहते है कि मेरे ऊपर आई इस आपदा से में कर्ज में डूबने से बच गया। वह समस्त किसान भाईयों से आग्रह करते है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा में पंजीयन करावें और चिंतामुक्त होकर रहें। वह कहते है की यदि आपकी फसल पर भी कोई आपदा आती है तो आपकी फसल की भरपाई सरकार करेगी।इसके लिए वह सरकार को धन्यवाद देते है।

मंडल रेल चिकित्सालय झांसी की सराहनीय पहलः अब ट्रेन में सदैव उपलब्ध होगी प्राथमिक चिकित्सा सुविधा

नयी पहल के तहत टिकट जांच कर्मियों को प्रदान की गयीं स्पेशल फर्स्ट एड किट

झांसी। मंडल रेल चिकित्सालय, झांसी द्वारा यात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु एक प्रशंसनीय पहल की गई है। रेलवे बोर्ड से प्राप्त दिशानिर्देशों के अनुपालन में मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार सिंह तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुलदीप स्वरूप मिश्रा के मार्गदर्शन में, अब गाडी में कार्य कर रहे प्रत्येक टिकट जांच कर्मी (TTE) को विशेष प्राथमिक उपचार पेटी प्रदान की गयीं है ताकि ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों को त्वरित प्राथमिक चिकित्सा सुविधा मिल सके। इस पहल का उद्देश्य ट्रेन में यात्रा के दौरान होने वाली सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं जैसे उल्टी, दस्त, हल्का बुखार या मामूली चोटों से पीड़ित यात्रियों को तत्काल राहत पहुँचाना है। इससे पहले यात्रियों को ऐसी स्थिति में अगला स्टेशन आने तक प्रतीक्षा करनी पड़ती थी, अगले स्टेशन पर चिकित्सक द्वारा परीक्षण उपरान्त दवाएं प्रदान की जाती थी ढ्ढ जिससे न केवल असुविधा होती थी बल्कि ट्रेन की समयपालनता भी प्रभावित होती थी। अब यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से पुरानी व्यवस्था के साथ साथ यह नयी व्यवस्था प्रारंभ की गयी। अब, इन उपचार पेटियों के माध्यम से यात्रियों को तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो सकेगी। इन्हें नियमित रूप से रिफिल किया जाएगा ताकि इनका उपयोग प्रभावी रूप से हो सके। उल्लेखनीय है की मंडल रेल चिकित्सालय द्वारा की गयी इस व्यवस्था में स्पेशल फर्स्ट एड को बहुत ही सरलता से उपयोग हेतु तैयार किया गया है, जिससे कोई भी पढ़ा-लिखा व्यक्ति बड़ी ही आसानी से उपयोग कर सकता है। साथ ही किस दवा का उपयोग किस मर्ज के लिए है, इसका भी सरलता से उल्लेख किट में उपलब्ध है। जैसे की सिरदर्द, मलहम, एलर्जी, बॉडी पैन, डायरिया, पेट दर्द तथा सीने में दर्द, बीपी जैसी जटिल दवाइयां भी पट्टी के साथ उपलब्ध है। इस पहल के शुभारंभ के अवसर पर अपर मंडल चिकित्सा अधीक्षकडॉ. महेन्द्र सिंह यादव, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अमन वर्मा, सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री पंकज त्रिपाठी सहित अन्य चिकित्सा अधिकारी तथा स्पेशल फर्स्ट एड किट प्राप्त करने वाले टिकट जांच कर्मी उपस्थित रहे। रेल प्रशासन की यह अभिनव सोच यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को खपत के आधार पर दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की मिलेगी छूट

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को दिन के टैरिफ में छूट प्रदान की जाएगी। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जाएगी। कंपनी ने कहा है कि यह छूट एलवी उपभोक्ता श्रेणियों के लिए विशिष्ट नियमों और शर्तों के आधार पर दिन के विभिन्न समय के दौरान खपत की अवधि के अनुसार ऊर्जा शुल्क पर लागू होगी। एल.वी.-1= घरेलू और एल.वी.-3= सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट पीक ऑवर्स (सुबह) 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। इसी तरह एल.वी.-2= गैर-घरेलू और एल.वी.-4= एल.टी. औद्योगिक ऑफ पीक/ सौर समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20त्न की छूट प्रदान की जाएगी। उपरोक्त दोनों ही श्रेणियों में यह छूट 10 किलोवाट से अधिक स्वीकृत लोड / अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही मिलेगी। वहीं स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जिसमें एल.वी.-1= घरेलू, एल.वी.-2 गैर घरेलू, एल.वी.-3 सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट और एलवी-4 एलटी औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए ऑफ पीक/ सौर समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20त्न की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड / अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही मिलेगी।

बाइक से गिरकर चालक की मौत

मुरैना,कांस। जिले के टेंटरा थाना क्षेत्र के अरोदरी थाना ढोढर में निवास करने वाले जगदीश पुत्र रामसिंह बंजारा उम्र 24 साल अपनी बाइक से जा रहा था कि उसी समय वह बाइक से जा रहा था कि बंदपुल के पास कैमारा के पास बाइक से गिरकर उसकी मौत हो गई। थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया है।

सम्राट महाराणा प्रताप की जयंती कल, सर्व समाज निकालेगा चल समारोह

अंबाह। क्षत्रिय समाज के कुल गौरव सम्राट महाराणा प्रताप जी की जयंती के शुभ अवसर पर क्षत्रिय समाज सहित सर्व समाज एवं सनातन धर्म प्रेमियों द्वारा चल समारोह का आयोजन किया जाएगा।यह चल समारोह महाराणा प्रताप जी के पार्क रेतपुरा से शुरू होकर पोरसा चौराहा होते हुए जग्गा चौराहा,भरपुरा तिराहा,नगरपालिका होते हुए पूरे अंबाह शहर में निकला जाएगा। अखिल भारतीय महासभा ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष राजेश तोमर से इसकी तैयारी के बारे में बात की गई तो उन्होंने बताया कि पार्क की साफ सफाई के लिए 29/04/2025 को मेरे और करणी के द्वारा नगरपालिका CMO और अध्यक्ष अंजली जैन को पार्क की साफ सफाई के बारे में लिखित आवेदन दिया।उसी समय अध्यक्ष पति जिनेश जैन ने कहा कि राजेश जी ऐसे सभी समाजों के ट्रस्ट हैं हम किस किस की साफ सफाई कराएंगे।लेकिन आज तक पार्क की कोई साफ सफाई नगर पालिका द्वारा नहीं की गई है। करणी सेना ने करबला(मुसलमानों का धार्मिक स्थल) को लेकर CMO पर आरोप लगाए कि अगर करबला होता तो सफाई रंगाई पुताई सब हो जाती है।लेकिन क्षत्रिय समाज के महापुरुषों के पार्क की सफाई के लिए नगर पालिका पर पैसा नहीं है।और तो और पार्क के पास नगरपालिका CMO और अध्यक्ष पति जिनेश जैन सुलभ कॉम्प्लेक्स बनाने पर अड़े हैं।ऐसा क्षत्रिय समाज कभी होने नहीं देगा।अगर पार्क के पास सुलभ कॉम्प्लेक्स बनी तो करणी सेना और क्षत्रिय समाज संयुक्त रूप से उग्र आंदोलन करेंगे।जिसके लिए नगरपालिका CMO और अध्यक्ष जिम्मेदार होंगे।

संत माखनदास जी महाराज के देवलोक गमन से चंबल संभाग में शोक की लहर

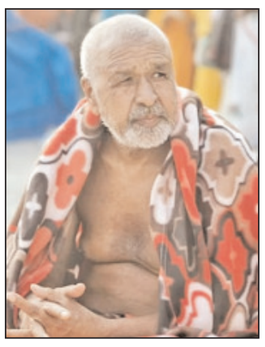

मुरैना,कांस। चम्बल अंचल के प्रसिद्ध संत श्री माखनदास जी महाराज का सोमवार को देवलोक गमन हो गया, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। संत माखनदास जी पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे और जयपुर में उनका इलाज जारी था। जहाँ उनका देवलोक गमन हो गया था चम्बल संभाग एवं राजस्थान के कई जिलों में दुःख व्याप्त हो रहा है संत माखनदास जी महाराज धार्मिक रूप से महादेव बाबा और हनुमान जी के परम भक्त माने जाते थे। उनका जीवन संतत्व, सेवा और भक्ति को समर्पित रहा। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को राजस्थान स्थित मनीरामपुरा आश्रम में किया गया । जनमानस का कहना है माखनदास बाबा का जाना क्षेत्र की अध्यात्मिक संपदा की अपूरणीय क्षति है। समस्त क्षेत्रवासियों सहित उनके अनुयायियों के लिए यह समय अत्यंत पीड़ादायक है।

जिला पुरात्व पर्यटन संबंधी बैठक 15 मई को

मुरैना,कांस। कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना के अध्यक्षता में जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक 15 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मुरैना में दोपहर 01 बजे आयोजित की गई है। बैठक में जिले के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने एवं पं. रामप्रसाद विस्मिल संग्रहालय के जीर्णोद्धार हेतु कार्य ऐजेंसी नियुक्त करने के संबंध में जिला पुरात्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में पुलिस अधीक्षक, वन मण्डलाधिकारी, जिला पंचायत, संयुक्त कलेक्टर, महिला एवं बाल विकास, आयुक्त नगर निगम, क्षेत्रीय प्रबंधक राज्य पर्यटक ग्वालियर, पीडब्ल्यूडी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन, ग्रामीण यांत्रिकी, जिला पुरात्व, जिला योजना, जिला व्यापार उद्योग केन्द्र, लेखाधिकारी जिला पंचायत, खेल, सहकारिता, आबकारी और शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारी मौजूद रहेंगे।

हाईस्कूल हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र छात्राओं ने मारी बाजी

अम्बाह। मध्य प्रदेश बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में जैन समाज अंबाह के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया है बेटियों और बेटों ने मेहनत और लगन से समाज का नाम रोशन किया है समाजजनों के अनुसार 12वीं में कृति जैन ने 95 प्रतिशत अंक हासिल किए है जिले में कृति जैन का मैरिट लिस्ट में तीसरा स्थान प्राप्त किया कृति जैन , प्रमोद जैन और पिंकी जैन की पुत्री हैं। सार्थक जैन ने 88.8 प्रतिशत अंक पाए है वह रवि जैन और उपमा जैन के पुत्र हैं। वंशिका जैन ने 88.6प्रतिशत अंक प्राप्त किए है वह राजकुमार जैन और राखी जैन की पुत्री हैं। लवी जैन ने 87.4 प्रतिशत अंक हासिल किए है वह मुकेश जैन और बबीता जैन की पुत्री हैं। इसी तरह 10वीं में कनिष्का जैन ने 96.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए है। वह पंकज जैन और रेनू जैन की पुत्री हैं। एकता जैन ने 87 87 प्रतिशतअंक हासिल किए है वह उपेन्द्र जैन और लक्ष्मी जैन की पुत्री हैं। अनुकल्प जैन पुत्र संजय श्रीमती सीमा जैन,नये पुरा बाले एमपी बोर्ड 10 क्लास के परिणाम में 85त्न अंक प्राप्त किए। समाज ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को बधाई दी है और कहा है यह सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी। समाज ने सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं है।

युवक फांसी पर झूला

मुरैना,कांस। अम्बाह थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपने घर पर फांसी का फन्दा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम चिरपुरा में निवास करने वाले समीर पुत्र आमिर खॉन उम्र 25 साल ने अपने घर पर फांसी का फन्दा लगाकर झूल गया जिससे उसकी मौत हो गई। थाना पुलिस ने घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुँच कर मौका पंचनामा बनाकर शव का पीएम कराकर शव को उनके परिजनो को सौपकर फरियादी आसिर पुत्र चुन्नी खॉन की रिपोर्ट पर से मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया है।

निमार्ण विकास कार्यों की बैठक 15 मई को

मुरैना। कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना की अध्यक्षता में निमार्ण विकास कार्यो की बैठक 15 मई को प्रातः 11 बजे कलेक्टर समाकक्ष कलेक्ट्रेट मुरैना में होगी। बैठक में उपस्थित होने के लिए ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग मुरैना के कार्यपालन यंत्री श्री आर.आर. सुमन ने लोक निमार्ण, जल संसाधन, ईएमजीएसवाय, एमपीआरडीसी, पीआईयू, ब्रिज कॉर्पोरेशन, हाउसिंग बोर्ड और एलयूएन विभागों को बैठक में समय पर उपस्थित होने एवं संबंधित निमार्ण कार्यों की जानकारी दो प्रति में हार्ड कॉपी 13 मई तक भेजने की अपेक्षा की है।

पी.एम.पोषण अंतर्गत भोजन पकाने की राशि में हुई वृद्धि

दतिया। प्रभारी अधिकारी पी.एम.पोषण जिला पंचायत दतिया ने जानकारी देते हुए बताया कि पीएम पोषण योजनांतर्गत जिले की समस्त प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में प्रतिदिवस स्व सहायता समूहों द्वारा गर्म एवं ताजा पोषण आहार वितरण किया जाता है। पीएम पोषण परिषद भोपाल के द्वारा पीएम पोषण अतंर्गत 01 मई 2025 से भोजन पकाने की राशि में वृद्धि की गयी है। बाल वाटिका एवं प्राथमिक विद्यालय हेतु राशि 6.78/- प्रति दिवस प्रति छात्र एवं माध्यमिक विद्यालय हेतु 10.17/- प्रति दिवस प्रति छात्र निर्धारित की गयी है। माह मई 25 में अवकाश होने के कारण, विद्यालयों में पीएम पोषण वितरण नहीं किया जाता है अतः 16 जून 25 से जिले में संचालित समस्त विद्यालयों में कार्यरत समूह/एसएमसी को भोजन पकाने की राशि बाल वाटिका एवं प्राथमिक विद्यालय हेतु राशि 6.78/- प्रति दिवस छात्र एवं माध्यमिक विद्यालय हेतु 10.17/- प्रति दिवस प्रति छात्र के मान से जारी की जावेगी।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस आज मनाया जाएगा

मुरैना,कांस। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस जिला चिकित्सालय मुरैना में 09 मई को मनाया जायेगा। सिविल सर्जन डॉ गजेन्द्र सिंह तोमर ने बताया कि मातृत्व दिवस के अवसर पर नवीन भवन में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र से रेफर हुई हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को स्त्री विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जांच की जायेगी। साथ ही वजन, ब्लड प्रेशर, जीडीएम, बच्चे से संबंधित जांच की जाएगी और एनेमिक महिलाओं को हीमोग्लोबिन बढ़ाने के लिए आयरन, ग्लूकोज लगाया जाएगा तथा परिवार नियोजन साधन, बच्चों में अंतर रखने संबंधी परामर्श दिया जाएगा। आरएमओ डॉ बीएस यादव ने लोगों से अपील की है कि मातृत्व दिवस पर उपस्थित होकर मां-बच्चे की जांच अवश्य करायें जिससे खतरे से बचा जा सके।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार मनीष शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री कालीचरण शर्मा ने एक आवासीय भवन क्रमांक 306 का अर्ध भाग (1/2) जो नगर पालिक निगम मुरैना के नवीन वार्ड क्रमांक 18 (महावीर वार्ड) भरोषी की धर्मशाला का चौराहा से मदरसा के बीच का क्षेत्र, छिद्दा राठौर तेल मील वाले के मकान के पास, महावीरपुरा मुरेना, शहर मुरैना तहसील मुरैना नगर, जिला मुरैना (म.प्र.) में स्थित है। उक्त भवन को क्रय करने का अनुबंध-पत्र सम्पत्ति स्वामी रामकरन शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री गुंधारी लाल शर्मा से मेरे पक्षकार ने किया है। उक्त सम्पत्ति भवन को सम्पत्ति स्वामी के पिता गुंधारी लाल शर्मा ने कार्यालय उप पंजीयक मुरेना में रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रमांक 3976 पंजीयन दिनांक 29.03.1984 को महिला रामकटोरी पत्नी श्री बासुदेव प्रसाद शर्मा से क्रय किया था। गुंधारी लाल शर्मा की मृत्यु के पश्चात् उक्त भवन सम्पत्ति का में सम्पत्ति स्वामी एक मात्र मालिक होकर भू-स्वामी हूँ। तथा उक्त सम्पत्ति में मुझे सम्पत्ति स्वामी के अलावा अन्य कोई हिस्सेदार अथवा भागीदार नहीं है। उक्त सम्पत्ति का नामांतरण नगर पालिक निगम मुरैना के भवन पंजीयन रिकार्ड में विधिवत् मुझ सम्पत्ति स्वामी के नाम से दर्ज है। जिसका विक्रय अनुबंध-पत्र अनुबंध ग्रहीता के हित में संपादित किया है। जिसका क्षेत्रफल 1198.31 वर्गफीट है। जिसकी लम्बाई पूरव से पश्चिम तक 83 फीट तथा चौड़ाई उत्तर से दक्षिण बजानिव पूरव की ओर 13 फीट 10.5 इंची एवं पश्चिम की ओर 15 फीट है। उक्त सम्पत्ति तल मंजिल आर.सी.सी., पटिया के पटाव से निर्मित है। जिसकी चतुरसीमाएँ निम्न प्रकार हैं:- पूरव में आम रास्ता, पश्चिम में:- भवन गंगाराम राठौर, उत्तर में:- भवन गुड्डी देवी, दक्षिण में:- भवन महेश चंद जैन है। उक्त सम्पत्ति भवन पर किसी व्यक्ति, संस्था, निगम, निकाय, सरकारी संस्था आदि को उक्त सम्पत्ति को क्रय विक्रय करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह इस आम सूचना प्रकाशन के सात दिवस के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज पेश करें। अवधि समाप्त हो जाने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा उक्त सम्पत्ति का विक्रय पत्र संपादित करा लिया जावेगा। जिसके बाद की गई किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी।

दिनांकः- 07.05.2025

प्रेषक :-

कमल सिंह राठौर

(सेवा प्रदाता SP012545006201500508)

कार्यालय :- वार्ड क्रमांक 21, राठौर गली,

इस्लामपुरा मुरैना (म.प्र.)

मोः- 9229694767

सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता का प्रतीक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम समाज में समरसता, एकता और मितव्ययिता का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि एक ही मंडप में कई जोड़ों का विवाह होना सामाजिक चेतना और बदलती सोच का प्रतीक है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास से सागर जिले की नरयावली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रजाखेड़ी बजरिया (मकरोनिया) में सम्पन्न सामूहिक विवाह सम्मेलन में वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में हुए सामूहिक विवाह सम्मेलन में कुल 1119 जोड़ों का एक ही मंडप में विवाह कराया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब सामूहिक विवाह समाज द्वारा प्रसन्नतापूर्वक सहजता से अपनाए जा रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि हमारे समाज की मानसिकता में सकारात्मक परिवर्तन हो रहा है। यह बेहद प्रशंसनीय और अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के वैवाहिक आयोजनों से वर-वधू दोनों ही पक्षों का आर्थिक बोझ कम हो जाता है और इससे सामाजिक एकता को भी बल मिलता है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी से आत्मीय अपील की कि हम सब इसी प्रगतिशील सोच को अपनाएं और समाज में सद्भाव, सहयोग एवं सादगी को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से अब तक लाखों जोड़ों का विवाह कराया जा चुका है। यह योजना जरुरतमंद परिवारों के लिए एक वरदान की तरह है। उन्होंने वर-वधू से कहा कि वे सरकार की सभी योजनाओं का लाभ लेकर अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ें। हमारी सरकार सबके रोजगार और सबके हितों की चिंता कर रही है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए श्री हितानंद शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।खजुराहो सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा ने वर-वधू को आशीर्वाद देते हुए कहा कि समाज के जरुरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह का जिम्मा अब सरकार ने ले लिया है। बेटियों के हित में पूरी सरकार साथ हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने देश में एक मिसाल पेश की है। यहां धन के अभाव के कारण किसी गरीब परिवार को अपनी बेटी के विवाह के लिए क़र्ज़ नहीं लेना पड़ता। यहां सरकार कन्यादान योजना में अपने खर्च पर बेटियों का विवाह कराती है।कार्यक्रम स्थल से उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र कुमार शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना एक अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है। इससे समाज में व्यापक स्तर पर बदलाव देखने को मिला है। उन्होंने सभी जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए बताया कि आज ही सभी जोड़ों के खाते में योजना में कुल 6 करोड़ 37 लाख रुपए की धनराशि हस्तांतरित की जा रही है।सम्मेलन के आयोजक नरयावली विधायक इंजीनियर प्रदीप लारिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि सबके सहयोग से मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में इस सामूहिक सम्मेलन में कुल 1119 जोड़ों का विधिवत विवाह संपन्न कराया गया है।

कार्यक्रम स्थल में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता अधिकार संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, विधायक सागर श्री शैलेंद्र जैन, विधायक बीना श्रीमती निर्मला सप्रे, विधायक बंडा श्री वीरेंद्र लंबरदार, अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, वर-वधू और बड़ी संख्या में उनके परिजन भी उपस्थित थे। जनप्रतिनिधिगण, वर-वधू और बड़ी संख्या में उनके परिजन भी उपस्थित थे।

तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लीजिए

कौशल सीखिए एवं राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनिए : मंत्री परमार

भोपाल ब्यूरो। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने गुरुवार को मंत्रालय स्थित प्रतिकक्ष में तकनीकी शिक्षा विभाग अंतर्गत तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर तैयार विस्तृत मार्गदर्शिका का विमोचन किया। इस अवसर पर आयुक्त तकनीकी शिक्षा श्री अवधेश शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को सर्वसुलभ, गुणवत्तापूर्ण और रोजगारोन्मुखी बनाने हेतु सतत प्रयत्नशील है। शासन द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत छात्रवृत्ति एवं अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाती है।मंत्री श्री परमार ने कहा कि प्रदेश में तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। विद्यार्थियों की सुविधा एवं मार्गदर्शन के लिए एक विस्तृत मार्गदर्शिका उपलब्ध कराई जा रही है, जिसमें पाठ्यक्रमों की जानकारी, पात्रता एवं प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया उपलब्ध है।मंत्री श्री परमार ने विद्यार्थियों से अपील करते हुए, उन्हें कौशल आधारित इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के लिए आमंत्रित किया है।

मंत्री श्री परमार ने विद्यार्थियों से कहा कि उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश लीजिए, कौशल सीखिए एवं राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनिए। मंत्री श्री परमार ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएँ भी प्रेषित की है।

खंदौली ब्लॉक प्रमुख आशीष शर्मा ने मुख्यमंत्री के सामने रखी क्षेत्र की समस्याएं

आगरा,कासं । लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय पर आशीष शर्मा ब्लॉक प्रमुख खंदौली ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की इस दौरान ब्लॉक प्रमुख ने ब्लॉक क्षेत्र की विशेष समस्याओं से अवगत कराया जिसमे मुख्य रूप सेमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्लॉक प्रमुख आशीष शर्मा के तीनों विषयों पर संज्ञान लिया है एवं जल्द कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

- ब्लॉक कार्यालय के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग 93 पर हो रहे कई वर्षों से जलभराव के निस्तारण किए जाने का विषय रखा इसके साथ ही
- दूसरा ग्राम पंचायत आंवलखेड़ा मे स्थित गायत्री शक्तिपीठ के आस पास क्षेत्र के सौंदर्यीकरण एवं मुख्य चौराहे के जलभराव से निजात दिलाने का विषय रखा ,
- तीसरा ब्लॉक अंतर्गत चल रहे उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक उत्थान की दिशा मे पोटेटो प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना किए जाने की भी मांग रखी है जिससे महिलाओं के लिए रोजगार सृजन होगा व साथ ही किसानों को भी उचित विक्रय मूल्य भी मिल पाया करेगें।

गांधी सागर बांध से 891.944 एमसीएम पानी छोड़ने की अनुमति जारी

भोपाल ब्यूरो। मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग जयपुर द्वारा प्रदत्त अनापत्ति एवं अनुशंसा के तहत ग्रीनको ग्रुप द्वारा 1920 मेगावॉट पम्प स्टोरेज परियोजना के निर्माण के लिये गांधीसागर बांध से 891.944 एमसीएम जल प्रवाहित करने की निर्धारित शर्तों पर अनुमति जारी की गई है।प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग भोपाल श्री विनोद कुमार देवड़ा ने मुख्य अभियंता जल संसाधन उज्जैन को निर्धारित शर्तों के अधीन पेयजल, सिंचाई और औद्योगिक उपयोग के लिए आवश्यक जल गांधीसागर बाँध में संग्रहित रखने के निर्देश दिये हैं। साथ ही यह भी कहा गया है कि बाँध से जल प्रवाहित करने के लिए निर्धारित ऑपरेशन मैन्यूअल/बाँध सुरक्षा के मापदण्डों का पालन करना होगा। बाँध से जल प्रवाहित किये जाने के लिए निर्धारित (म.प्र. एवं राजस्थान राज्य) अंतर्राज्यीय नियंत्रण समिति/सदस्यों से परस्पर समन्वय कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक मामलों का निस्तारण कराने का प्रयास किया जाए

अलीगढ़,ब्यूरो । जिला न्यायाधीश अनुपम कुमार की अध्यक्षता में 10 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए बैठक आहूत की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे मामले जो सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित हो सकते हैं, उन्हें चिन्हित कर राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि शनिवार 10 मई को आयोजित हो रही राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक मामलों का निस्तारण कराने का प्रयास किया जाए।

जिला न्यायाधीश ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से आम जनमानस को त्वरित एवं सुलभ न्याय मुहैया कराया जाता है। यह न केवल न्यायिक प्रक्रिया को सरल बनता है बल्कि समय और संसाधन की भी बचत करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले जिनका निस्तारण न होने से व्यक्ति न्यायालय की शरण में जा सकता है, उनका निपटारा राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से किया जाना शासन एवं समाज के लिए हितकारी है। बैठक में उपस्थित आए अधिकारियों ने अपने अपने विभाग से सबंधित मामलों के प्रस्तावित निस्तारण के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई।

बैठक में सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण नितिन श्रीवास्तव, एडीजे सुभाष चंद्रा, एडीएम न्यायिक अखिलेश कुमार, एसपी सिटी मृगांक पाठक, डीपीओ अजीत कुमार, डीपीआरओ मोहम्मद राशिद, डीएसडब्ल्यूओ संध्यारानी, सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह, एआरटीओ प्रवेश कुमार, डीएसओ अभिनव सिंह, डीएलसी सियाराम, उपनिदेशक कृषि यशराज, एडी इंफॉर्मेशन संदीप कुमार,अधिशासी अभियंता विद्युत, पुलिस यातायात सीओ एवं अन्य अधिकारी गण

कूप रिचार्ज पिट निर्माण में खंडवा जिले ने हासिल किया 100 फीसदी का लक्ष्य

भोपाल ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश पुराने जल स्त्रोतों को सहेजने, नया जीवन देने और किसानों को सिंचाई व पीने के लिए नलकूप, कुओं से पर्याप्त मात्रा में पानी मिले, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा प्रदेश भर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश के सभी जिलों में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) अंतर्गत खेत तालाब, कूप रिचार्ज पिट, सोख्ता गड्ढ़ा, बोरी बंधान सहित बारिश का पानी रोकने के लिए अन्य कार्य किए जा रहे हैं। इसके लिए सभी जिलों को लक्ष्य भी दिया गया है। खंडवा जिला प्रदेश का पहला ऐसा जिला बना है, जिसने कूप रिचार्ज पिट निर्माण में 100 फीसदी का लक्ष्य हासिल किया है।

4 हजार 700 का मिला था लक्ष्य, बनाए 4 हजार 838

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत खंडवा जिले को 4 हजार 700 कूप रिचार्ज पिट बनाने का लक्ष्य मिला था, जिसे समय से पहले और लक्ष्य से अधिक पूरा कर लिया गया है। जिले में 4 हजार 838 कूप रिचार्ज पिट बनाए गए हैं। जिला पंचायत सीईओ खंडवा श्री नागार्जुन बी. गौड़ा ने बताया कि कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता के मार्गदर्शन में जिले में 15 हजार कूप रिचार्ज पिट बनाए जा रहे हैं, करीब 10 हजार का कार्य प्रगतिरत है।

बारिश के पानी का संचयन करने के लिए भारत सरकार के केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जल संचय, जन भागीदारी अभियान राष्ट्रीय अभियान चलाया जा रहा है, इसमें देश के सभी जिलों में बारिश के पानी को एकत्र करने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग रिचार्ज पिट, स्टॉप डैम, सोख्ता गड्ढा सहित विभिन्न प्रकार के कार्य किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश का खंड़वा जिला 7 मई की स्थिति में देश में तीसरे नंबर पर है।

प्रदेश में बारिश के पानी को सहेजने, पुराने जल स्रातों को संवारने के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रदेशभर में 30 मार्च 2025 से 30 जून 2025 तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है।

कूप रिचार्ज पिट, जिसे रिचार्ज शाफ्ट या रिचार्ज पिट भी कहा जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य भू-जल स्तर को बढ़ावा देना है। बारिश का पानी जमीन के अंदर रिसने से भू-जल स्तर बढ़ता है। साथ ही कूप या नलकूपों के सूखने की संभावना भी कम रहती है। साथ ही सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता बनी रहती है।

आपात स्थिति के लिये जिले में बनाई जा रही है पुख्ता आपदा प्रबंधन कार्ययोजना

ग्वालियर,नसं.। आपात स्थिति में जल्द से जल्द राहत व बचाव कार्य शुरू करने के उद्देश्य से जिले में पुख्ता आपदा प्रबंधन कार्ययोजना तैयार हो रही है। इस सिलसिले में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने गूगल मीट के जरिए जिले के सभी एसडीएम, एसडीओपी व आपदा प्रबंधन से संबंधित विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर उनके सुझाव लिए। बीते रोज जिले में हुए सिविल डिफेंस ÷ऑपरेशन अभ्यास÷ के तहत ग्वालियर शहर एवं जिले के अन्य कस्बों में हुई मॉकड्रिल व ब्लैक आउट की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि आपदा प्रबंधन की कार्ययोजना में लोगों को तक जल्द से जल्द आवश्यक सूचनायें पहुँचाने व उन्हें सतर्क करने के उपायों को प्रमुखता दी जाए। उन्होंने कहा इसके लिये मोहल्ला समिति बनाकर सभी सदस्यों को वॉट्सएप ग्रुप से जोड़ें। साथ ही जिले के नागरिकों को अपने एंड्रॉयड मोबाइल पर ÷सचेत एप÷ डाउनलोड करने के लिये भी प्रेरित करें। इस एप के माध्यम से संभावित आपदा के बारे में पूर्व में ही सूचना मिल जाती है। गूगल मीट में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने हर परिस्थिति एवं दिन व रात के समय को ध्यान में रखकर आपदा प्रबंधन की रणनीति बनाने पर बल दिया। आपात स्थिति में लोगों को सतर्क करने के लिये पर्याप्त सायरन की व्यवस्था, जिले के दूरस्थ अंचल तक फायर ब्रिगेड के इंतजाम, रहवासी समितियों को अग्नि दुर्घटनाओं के दौरान सुरक्षित निकलने व लोगों तक मदद पहुँचाने के लिये प्रशिक्षण, अग्निशमन यंत्र चलाने का प्रशिक्षण इत्यादि को आपदा प्रबंधन कार्यों में शामिल करने के लिये कहा गया। आपात स्थिति के लिये एकीकृत कंट्रोल रूम एवं त्वरित चिकित्सा सहायता व्यवस्था से संबंधित उपायों को भी कार्ययोजना में प्रमुख स्थान दिया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि ग्रामीण अंचल में पेयजल टैंकरों पर प्रेशर मोटर लगाकर आपात स्थिति में फायर ब्रिगेड के विकल्प के रूप में इस्तेमाल करने के लिये भी कहा। उन्होंने कहा ग्राम पंचायतों पर उपलब्ध बजट एवं जन सहयोग से यह कार्य किया जा सकता है। श्रीमती चौहान ने आपात स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य के लिये उपलब्ध प्रशिक्षित मानव संसाधन व उपकरणों की सूची तैयार करने के निर्देश भी बैठक में दिए। गूगल मीट में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, एडीएम श्री टी एन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण लालचंदानी, श्री निरंजन शर्मा व श्री गजेन्द्र वर्धमान, जिले के सभी एसडीएम, एसडीओपी व सीएसपी सहित आपदा प्रबंधन से जुड़े अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे जनजातीय शिल्प ग्राम महोत्सव का शुभारंभ

भोपाल ब्यूरो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 9 मई, 2025 को रवीन्द्र भवन के हंस ध्वनि सभागार में दोपहर 1ः30 बजे जनजातीय शिल्प ग्राम महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुँवर विजय शाह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।जनजातीलय कार्य विभाग और राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान भोपाल के सहयोग से होने वाले इस महोत्सव में जीआई टैग प्राप्त गोंड पेंटिंग के 4 कलाकारों को मुख्यमंत्री द्वारा ऑथोराइज्ड यूजर कार्ड वितरित किये जायेंगे। साथ ही ÷आदि रंग'' परियोजना के शुभारंभ प्रतीक स्वरूप एनआईसी द्वारा विकसित प्रशिक्षण किट हितग्राहियों को वितरित की जायेगी। शुभारंभ कार्यक्रम में श्री बादल भोई जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय की कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी होगा।

निगम कर्मचारियों की पदोन्नत किये जाने के संबंध में सभापति श्री तोमर ने निगमायुक्त को लिखा पत्र

ग्वालियर,नसं.। सभापति श्री मनोज सिंह तोमर ने नगर निगम आयुक्त श्री संघप्रिय को पत्र लिखकर निगम कर्मचारियों को पात्रता अनुसार पदोन्नति किये जाने की मांग की है। सभापति श्री तोमर द्वारा लिखे गए पत्र के माध्यम से कर्मचारी संगठन एवं निगम कर्मचारियों द्वारा समय-समय पर ज्ञापनों, आवेदन पत्रों के माध्यम से पात्रता अनुसार पदोन्नति किये जाने की मांग की जाती रही है। किन्तु काफी लम्बे समय से निगम में पदोन्नति की कार्यवाही न होने से न केवल कर्मचारियों में रोष व्याप्त है, बल्कि इसके कारण कर्मचारियों में हीनता की भावना आकर मनोबल गिरता जा रहा है। जबकि प्रदेश के अन्य निगमों यथा भोपाल, इंदौर, जबलपुर आदि में कर्मचारियों की पदोन्नति के प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है। निगम के अन्तर्गत कई कर्मचारी ऐसे हैं जो बिना पदोन्नति के सेवानिवृत्त हो चुके हैं, कई कर्मचारी ऐसे हैं जो सेवानिवृत्ति के निकट हैं तथा कई कर्मचारी ऐसे हैं जो वरिष्ठ पद के योग्य होकर व उस पद के लिए निर्धारित वेतनमान से कहीं अधिक वेतन प्राप्त कर रहे हैं उनकी मात्र पदोन्नति के माध्यम से पद नाम दिया जाना है। ज्ञातव्य है कि निगम में पदोन्नति न होने से विभिन्न पदों पर प्रभार के माध्यम से वरिष्ठ पद का कार्य लिया जा रहा है। निगम द्वारा कुछ माह पूर्व ही कर्मचारियों की पदोन्नति की कार्यवाही हेतु नियमानुसार पदोन्नति समिति का गठन किया जाकर कार्यवाही प्रारंभ भी की गई थी किन्तु यह कार्यवाही अत्यंत धीमी गति से होने के कारण कर्मचारियों में निरंतर रोष बढ़ता जा रहा है। अतः उक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए निगम के समस्त विभागों के पात्र कर्मचारियों की शासन नियमानुसार शीघ्र पदोन्नति की कार्यवाही प्रारंभ की जाये।

ग्रीष्मकालीन मूंग में खरपतवार नाशकों के उपयोग को करें हतोत्साहित

भोपाल ब्यूरो। हरित क्रांति से हमारे देश ने खाद्यान्न उत्पादन में आत्म-निर्भरता हासिल कर ली है। आज मध्यप्रदेश देश की खाद्य सुरक्षा को सशक्त करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, अनाज के साथ-साथ दलहन के शीर्ष तीन उत्पादक राज्यों में मध्यप्रदेश एक है। यहाँ के किसान न केवल अनाज, तिलहन और दलहन का उन्नत उत्पादन करते हैं।

मध्यप्रदेश में कृषि और उद्योग का समन्वय आत्मनिर्भरता की दिशा में दूरगामी पहल : प्रभारी मंत्री काश्यप

भोपाल ब्यूरो। एमएसएमई और भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री श्री चैतन्य काश्यप ने कहा है कि मध्यप्रदेश में कृषि और उद्योग के समन्वय का अनूठा प्रयोग प्रदेश के आर्थिक परिदृश्य में नई क्रांति ला रहा है। कोर्टयार्ड बाय मैरियट में आयोजित ÷मध्यप्रदेश में गन्ना फसल एवं शुगर कारखानों के सतत् विकास÷ सम्मेलन में मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि खेती भारत की आत्मा है और एमएसएमई विभाग के माध्यम से शुगर फैक्ट्रियों की स्थापना से किसानों को बेहतर मार्केटिंग, तकनीकी सहायता एवं वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे ग्रामीण आर्थिक विकास को नई गति मिल रही है।

सम्मेलन में प्रदेश के एमएसएमई और कृषि विभाग के अधिकारी, उद्योगपति तथा किसान प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 3 मई को मंदसौर में आयोजित बड़े कृषि समारोह में कृषि मेले में उद्योगों को शामिल करने का यह पहला प्रयास मध्यप्रदेश की नई दृष्टि को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि सिंचित क्षेत्र 7 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 55 से 60 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है, जिससे प्रदेश की जीडीपी में कृषि का योगदान उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है।प्रभारी मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने और उत्पादकता के साथ जीडीपी वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध है। शुगर मिलों में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिये भूमि, बिजली और ऋण योजनाओं में विशेष रियायतें दी जा रही हैं।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक रामविलास शर्मा द्वारा चम्बल प्रिंटिंग प्रेस इण्डस्ट्रीज एरिया बानमोर से मुद्रित व एस 12 द्वितीय तल रायल प्लाजा पुराने हाईकोर्ट के सामने ग्वालियर से प्रकाशित । प्रधान संपादक रामविलास शर्मा मोबा.- 9329077393
email-chambalsurkhi@yahoo.com आर.एन.आई. पंजीयन नं MPHIN/2007/20705 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र मुरैना रहेगा। कानूनी सलाहकार युवराज कुलश्रेष्ठ एडवोकेट मो.9229842150 फोन- (07532)- 225779,9827679954